सुविचार

"आप इस जीवन में सबसे बड़ी गलती यह कर सकते हैं कि आप निरन्तर इस बात को लेकर डरते रहें कि आप कोई गलती कर देंगे।" - एल्बर्ट हुब्बार्ड

दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221

डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-223, गुरुवार 30 जून 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

फ्लोर टेस्ट से पहले उद्धव का इस्तीफा, विधान परिषद की सदस्यता भी छोड़ी; गुवाहाटी से गोवा पहुंचे बागी विधायक

महाराष्ट्र का राजनीतिक संकट अब आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार रात शिवसेना की दलीलों को खारिज करते हुए गुरुवार को ही फ्लोर टेस्ट कराने का आदेश दे दिया। इसके कुछ देर बाद ही सीएम उद्धव ठाकरे ने फेसबुक लाइव करते हुए इस्तीफे का ऐलान कर दिया। ठाकरे इस्तीफा देने राजभवन जाएंगे। इधर, बागी विधायक भी देर शाम गोवा पहुंच गए। उद्धव ने शिंदे गुट के गिले-शिकवों पर अपनी बात रखी और कहा कि आपको अपनी बात ठीक तरह से रखनी चाहिए थी। उद्धव ने कहा कि जिनसे धोखे की आशंका थी वे साथ रहे। उन्होंने कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के मुखिया शरद पवार को धन्यवाद कहा।

भाजपा खेमे में जश्न का माहौल

इधर, उद्धव के इस्तीफे के ऐलान के बाद भाजपा विधायकों में जश्न का माहौल है। ताज होटल में चल रही भाजपा विधायकों की बैठक में 'वंदे मातरम' के नारे लगे और कई विधायकों ने देवेंद्र फडणवीस को मिठाई खिलाकर महाविकास अघाड़ी सरकार गिरने का जश्न मनाया। बैठक खत्म होने के बाद फडणवीस होटल से निकल गए। उन्होंने मीडिया से भी बातचीत नहीं की।

बागी विधायक गोवा पहुंचे

बागी विधायकों का कुनबा बुधवार देर रात गोवा पहुंच गया। वे शाम को ही गुवाहाटी से चार्टर्ड प्लेन से गोवा निकले थे। वे रेडिसन ब्लू होटल से चार चार्टर्ड बसों से एयरपोर्ट निकले थे और रास्ते में उन्होंने विक्ट्री साइन भी दिखाया। एकनाथ शिंदे सुबह सभी विधायकों के साथ कामाख्या देवी मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे थे।

सियासत के बड़े अपडेट्स

सियासी संग्राम के बीच उद्धव सरकार ने मुंबई के पुलिस कमिश्नर संजय पांडे की जगह विवेक फणसलकर को नया कमिश्नर बनाया है। पांडे के रिटायरमेंट के बाद नई नियुक्ति की गई है। इसके अलावा औरंगाबाद शहर के म्यूनिसिपल कमिश्नर को भी बदला गया है। सांगली के जिलाधिकारी डॉ. अभिजीत चौधरी को औरंगाबाद का म्यूनिसिपल कमिश्नर बनाया गया है।

राज्यपाल के निर्देश के मुताबिक गुरुवार को होने वाले स्पेशन सेशन के लिए सुरक्षा व्यवस्था भी चाक चौबंद की जा रही है। इसके लिए ष्ट्क्क से लेकर स्क्क्न रैंक तक के करीब 5 हजार फोर्स तैनात की गई है। इसके अलावा बागी विधायकों के मुंबई पहुंचने पर उनकी सुरक्षा के लिए ष्ट्क्क्न के करीब 2 हजार जवानों को स्पेशल फ्लाइट से मुंबई भेजा गया है।

शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे के विद्रोह के बीच पुणे जिले में शिवसेना को बड़ा झटका लगा है। पुरंदर के पूर्व शिवसेना विधायक और मंत्री रह चुके विजय शिवतारे ने एकनाथ शिंदे गुट में शामिल होने का ऐलान किया है।

चार साल का मासूम बोरवेल में गिराःछतरपुर में 40 फीट गहराई में फंसा बच्चा

छतरपुर, एजेंसी। मध्य प्रदेश के छतरपुर में बुधवार को 4 साल का बच्चा बोरवेल में गिर गया। घटना ओरछा रोड थाना क्षेत्र के नारायणपुरा और पठापुर गांव के पास की है। बारिश की संभावना को देखते हुए ग्रामीणों ने बोरवेल के ऊपर एक छतरी बना दी है। बच्चे की मां का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलते ही पुलिस के साथ प्रशासनिक अफसर मौके पर पहुंच गए हैं। बोरवेल के अंदर कैमरा डाला गया है, जिसमें बच्चे का मूवमेंट नजर आया है। रेस्क्यू जारी है। आसपास करीब 10 फीट गहरा गड्ढा खोदा जा चुका है।

छतरपुर के नारायणपुरा निवासी अखिलेश यादव का 4 साल का बेटा दीपेंद्र यादव बोरवेल में गिर गया है। वह परिवार के साथ खेत पर गया था, जहां खेलते-खेलते वह बोरवेल में गिर गया। ये घटना बुधवार दोपहर करीब ढाई बजे की है। कलेक्टर संदीप जीआर ने बताया कि मासूम दीपेंद्र 40 फीट की गहराई पर फंसा है।

राजस्थान में अब पुलिस पर तलवार से हमला

मामले की एनआईए टेरर एंगल पर जांच करेगी

उदयपुर, एजेंसी। राजस्थान के उदयपुर में टेलर कन्हैयालाल के मर्डर पर बवाल के बीच राजसमंद के भीम इलाके में कॉन्स्टेबल पर तलवार से हमला हुआ है। लोग यहां उदयपुर की घटना का विरोध कर रहे थे। पुलिसकर्मी के रोकने पर भीड़ में शामिल एक व्यक्ति ने उसकी गर्दन पर तलवार मार दी। गंभीर रूप से घायल कॉन्स्टेबल को ब्यावर रेफर किया गया है। भीम में ही मंगलवार को दोनों हत्यारे पकड़े गए थे। इधर, पूरे केस का इन्वेस्टिगेशन एनआईए ने अपने हाथ में ले लिया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ यूएपीए के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। टेरर एंगल से भी मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस ने शहर के 7 इलाकों में एहतियातन कर्फ्यू लगाया है। उधर, राजस्थान में ऐहतियातन 24 घंटे के लिए इंटरनेट बंद कर दिया गया है। एक महीने के लिए धारा 144 लागू की गई है। घटना के विरोध में उदयपुर समेत झालावाड़, डूंगरपुर, राजसमंद समेत कई शहर बंद हैं।

गृह मंत्रालय ने इस हत्याकांड की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी। कहा कि किसी भी संगठन और अंतरराष्ट्रीय लिंक की गहन जांच की जाएगी। जांच के लिए 4 सदस्यीय टीम उदयपुर पहुंच गई है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- इस मामले की पूरी जांच होगी। उधर, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया भी कन्हैयालाल के परिजनों से मिलने उदयपुर पहुंचे। उन्होंने कहा कि अपराधियों में अब भय नहीं रहा।बीजेपी सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कन्हैया हत्याकांड पर कहा कि ये कोई साधारण घटना नहीं है, ये एक आतंकी घटना है।

कन्हैयालाल के अंतिम संस्कार में उमड़े लोग

इधर, मंगलवार को मारे गए कन्हैयालाल का बुधवार दोपहर अंतिम संस्कार कर दिया गया। शहर में कर्फ्यू के बाद उनकी अंतिम यात्रा में भारी भीड़ जुटी। लोगों ने हत्यारों को फांसी दो% के नारे लगाए। कन्हैया की हत्या के विरोध में शहर भी बंद रहा। पोस्टमार्टम के बाद उनका शव घर ले जाया गया, तो उनकी पत्नी ने रोते हुए कहा कि हत्यारों को फांसी की सजा दी जाए, नहीं तो ये लोग कई लोगों को मारेंगे।

कन्हैया की हत्या कैसे और क्यों हुई?

10 दिन पहले नूपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट डालने वाले कन्हैयालाल का तालिबानी तरीके से मर्डर कर दिया गया। गौस और रियाज मंगलवार को दिनदहाड़े उसकी दुकान में घुसे। तलवार से कई वार किए और उसका गला काट दिया। दुकान में ईश्वर समेत दो और कर्मचारी मौजूद थे। पुलिस ने मंगलवार को दोनों आरोपियों गौस मोहम्मद और रियाज जब्बार को राजसमंद से अरेस्ट किया था। इनके अलावा 3 अन्य लोगों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसमें एक कन्हैयालाल की पुलिस में शिकायत करने वाला उसका पड़ोसी नाजिम भी है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट- शरीर पर 26 निशान, गले में 8 से 10 बार वार

कन्हैयालाल का बुधवार को ही पोस्टमॉर्टम हुआ। सूत्रों के मुताबिक, शरीर पर घाव के 26 निशान मिले हैं। 8 से 10 घाव केवल गर्दन पर ही थे। पीएम रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कन्हैया का गला रेत कर अलग किया गया था। दोनों हमलावर कपड़े का नाप देने के बहाने मंगलवार को कन्हैया की दुकान में घुसे थे। इसके उन्होंने बर्बर तरीके से उसकी हत्या कर दी थी।

सीएम ने की शांति की अपील

सीएम अशोक गहलोत ने कहा- बहुत चिंता वाली बात है। किसी का मर्डर करना चिंताजनक है। पूरे देश में तनाव का माहौल बन गया है। माहौल ठीक नहीं है। गलियों-मोहल्लों में जहां जिसकी आबादी कम संख्या में है वे ज्यादा चिंतित है। आपस में तनाव और डिस्टेंस हो गया है। पीएम का भी फर्क पड़ता है।

उदयपुर में तालिबानी मर्डर का पाकिस्तान कनेक्शन

उदयपुर में हुए तालिबानी मर्डर के तार पाकिस्तान से जुड़ रहे हैं। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने 8 से 10 मोबाइल नंबर ट्रेस किए हैं। इनकी लोकेशन पाकिस्तान से लेकर भारत में आ रही है। इन्हीं नंबरों पर रियाज जब्बार और गौस मोहम्मद की लगातार बातचीत भी हो रही थी। इस इनपुट ने खुफिया तंत्र के कान खड़े कर दिए हैं। राजस्थान के गृह राज्यमंत्री राजेंद्र सिंह यादव ने भी इस मामले को लेकर खुलासा किया है कि दोनों पाकिस्तान और अरब देशों के लोगों से कॉन्टैक्ट में थे। इनके मोबाइल में पाकिस्तान और अरब देशों के नंबर मिले हैं। रियाज और गौस की पाकिस्तान के नंबरों पर खूब बातचीत होती थी। राज्यमंत्री यादव ने इनके कराची में ट्रेनिंग लेने का भी दावा किया है। बताया गया कि दोनों ने 2014-15 में करीब 15 दिन की ट्रेनिंग ली थी। पाकिस्तान के आका के बुलावे पर दोनों नेपाल के रास्ते वहां गए थे।

डीजीपी एमएल लाठर ने कहा कि जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी दावते इस्लामी संगठन से कई सालों से जुड़े हुए थे। दोनों बदमाशों के मोबाइल से कई जानकारी मिली है। इसकी जांच की जा रही है। दोनों आरोपियों की अब तक कोई क्रिमनल हिस्ट्री सामने नहीं आई है। मंगलवार को उदयपुर में कन्हैयालाल की हत्या के बाद राजस्थान पुलिस के साथ ही खुफिया एजेंसियों में खलबली मच गई थी। जिस अंदाज में कन्हैयालाल को मारा गया, वह तालिबानी तरीका था।

जशपुर में फिर गिरी बिजली, 3 की मौत

साप्ताहिक बाजार में हादसा, मृतकों में 11 साल का बच्चा भी शामिल; 2 गंभीर रूप से झुलसे

जशपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जशपुर में एक बार फिर आकाशीय बिजली ने लोगों की जान ले ली है। इस बार फिर साप्ताहिक बाजार में बिजली गिरी। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 11 साल का बच्चा भी शामिल है। 2 लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। उन्हें सन्ना के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक महीने में यह दूसरी घटना है, जब बिजली गिरने से तीन लोगों को जान गंवानी पड़ी है। मामला सन्ना थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, जिले में सुबह से तेज धूप निकली थी। दोपहर में अचानक मौसम में बदलाव आ गया और तेज आवाज के साथ बारिश होने लगी। इसी दौरान जोर से बिजली कड़की और डांड के साप्ताहिक बाजार में जा गिरी। बिजली गिरते ही बाजार में हड़कंप मच गया और भगदड़ शुरू हो गई। कुछ देर बाद लोगों ने देखा तो सड़क पर 5 लोग बेसुध पड़े थे। इस पर पुलिस को मामले की सूचना दी गई।

पुलिस सभी झुलसे हुए लोगों को सन्ना के अस्पताल पहुंची। वहां डॉक्टरों ने कवई के मधुपुर निवासी संजू राम (11) पुत्र बिगु राम, ग्राम बम्हनी निवासी भीखना राम (23) पुत्र संतरु और बगीचा निवासी विजय मिंज (56) को मृत घोषित कर दिया। अन्य दो लोगों को उपचार अस्पताल में चल रहा है। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस शवों को पंचनामा भरकर कार्रवाई कर रही है। वहीं प्रशासन की ओर से टीम भेजी गई है।

पहले भी साप्ताहिक बाजार में बिजली गिरी थी

करीब एक माह पहले भी जशपुर के सुलेसा के नजदीक ग्राम बुरजूडीह में लगे साप्ताहिक बाजार में शाम को आकाशीय बिजली गिरी थी। इसमें 25 से 30 लोग झुलस गए थे। जबकि 12 साल की बच्ची सहित 3 लोगों की मौत हुई थी। इनमें से 7 गंभीर रूप से झुलसे लोगों को अंबिकापुर रेफर किया गया था। इसमें दो दो बच्चियों का शरीर 50 प्रतिशत से अधिक झुलस गया था। तब मुख्यमंत्री ने मुआवजे की घोषणा भी की थी।

वार्ड प्रभारियों की बैठक में शामिल हुए नरोत्तम मिश्रा

दतिया। मप्र के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा बुधवार को निकाय चुनाव के क्रम में दतिया निवास पर वार्ड प्रभारियों के साथ बैठक की। बैठक में पार्टी की चुनावी तैयारियों में और कसावट लाने व संसाधनों की बेहतर जमावट के लिए सभी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया।

जनताजनार्दन से संवादः इससे पहले डॉ. मिश्रा ने बुधवार सुबह अपने दतिया निवास पर स्थानीय नागरिकों और पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। साथ ही सम्बंधित अधिकारियों को उनका यथाशीघ्र

चुनावी कार्यालय का शुभारंभ

रायसेन। मप्र के सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन, मंत्री अरविंद भदौरिया की उपस्थिति में रायसेन जिले के बरेली नगर परिषद चुनाव को लेकर नगर के वार्ड क्रमांक 14, वार्ड क्रमांक 03 और वार्ड क्रमांक 04 में पार्षद प्रत्याशियों के चुनावी कार्यालयों का शुभारंभ किया गया। इस दौरान भाजपा अधिकृत प्रत्याशियों के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने और भारी मतों से विजय बनाने की अपील की। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्री प्रभुराम चौधरी जी, क्षेत्रीय सांसद श्री उदयप्रताप सिंह जी, पूर्व मंत्री एवं भाजपा वरिष्ठ विधायक श्री रामपाल सिंह जी, पूर्व विधायक श्री रामकिशन पटेल जी, भाजपा वरिष्ठ नेता शिवाजी पटेल जी समेत भाजपा के वरिष्ठ नेतागण, भाजपा जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी, भाजपा युवा मोर्चा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एमएलए विधायक की हत्या करने वाला नक्सली दबोचा गया

2 और नेताओं को भी मारा था, 39 लाख कैश जब्त; 60 माओवादियों ने सरेंडर भी किया

जगदलपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने 5 लाख रुपए के एक खूंखार माओवादी को गिरफ्तार किया है। यह विधायक समेत 2 नेताओं की हत्या करने की वारदात में शामिल रहा है। गिरफ्तार किए गए माओवादियों के पास से करीब 39 लाख रुपए नकद भी बरामाद किया गया है। इधर आंध्र प्रदेश के सामने ही 60 माओवादी ने पुलिस के सामने पहुंच हथियार डाल दिए हैं।

आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिला में पेदाबायुलु-कोरुकोंडा क्षेत्र समिति के सचिव वंथला रामकृष्ण को गिरफ्तार किया है। रामकृष्ण ने सितंबर 2018 में आंध्र प्रदेश के डुम्ब्रीगुडा मंडल में तत्कालीन तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के विधायक किदारी सर्वेश्वर राव और सिवेरी सोमा सहित दो राजनीतिक नेताओं की हत्या में शामिल मुख्य आरोपियों में से एक है। गिरफ्तार माओवादी वंथला रामकृष्ण के अलावा प्रभाकर उर्फ अशोक उर्फ गोड्डाली रायुडू के नाम से जाना जाता था।

विशाखापट्टनम रेंज के उप महानिरीक्षक एस. हरिकृष्णा और अल्लूरी सीतारामा राजू जिले के एसपी एस सतीश कुमार ने कहा कि, शीर्ष माओवादी नेता रामकृष्ण को पेदाबयालु पुलिस ने पकड़ा है। माओवादी पेदाबयालु मंडल के तहत कोंड्रम गांव से इंजरी गांव जा रहा था। इस बीच मुखबिर की सूचना के अनुसार पुलिस इन्हीं गांवों के जंगल में ऑपरेशन पर निकली थी। यहीं से घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। रामकृष्ण कोंड्रम गांव का निवासी है और दलम सदस्य, और पार्टी सदस्य के रूप में संगठन में शामिल हुआ था।

रामकृष्ण के पास से 39 लाख रुपए नगद, पांच डेटोनेटर और एक 9स्रू पिस्टल बरामद किया गया है। इधर, आंध्र-ओडिशा सीमा माओवादी संगठन से संबंधित आठ महिलाओं सहित कुल 60 सदस्यों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वाले लोग कोंड्रम, थगुपाडु, जुमादम, नानुबारी और जदीगुडा के माओवादी प्रभावित आदिवासी गांवों के थे।

कई लोगों को मुखबिर बताकर मार दिया

रामकृष्ण को क्षेत्र समिति सदस्य और क्षेत्र समिति सचिव बनाया गया था। इसके बाद ओडिशा के मलकानगिरी और कोरापुट जिलों, पूर्वी गोदावरी और एएसआर जिलों में माओवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ चला गया था। जो आंध्र-ओडिशा विशेष क्षेत्रीय समिति क्षेत्र में स्थित हैं। रामकृष्ण कुल 124 मामलों में शामिल था। इस पर 5 लाख रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार, माओवादी ने कई आदिवासियों को पुलिस का मुखबिर बताकर उन्हें मारा है।

भोपाल में उदयपुर घटना का विरोध- राजस्थान के CM का पुतला फूंका

राजस्थान के उदयपुर में हुई घटना के विरोध में बुधवार को भोपाल में प्रदर्शन हुए। संस्कृति बचाओ मंच ने राजस्थान के CM अशोक गेहलोत और विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल ने आतंकवाद का पुतला फूंका। साथ ही चेतावनी दी कि ऐसी क्रूर घटना को बर्दाश्त नहीं करेंगे। हत्यारों को फांसी दी जाएगी।

संस्कृति बचाओ मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी के नेतृत्व में सुबह 10 बजे बुलेवर्ड स्ट्रीट (अटल पथ) पर गहलोत का पुतला दहन किया गया। अध्यक्ष तिवारी ने कहा, जिन्होंने कन्हैयालाल की हत्या की, उन्हें सड़क पर खुलेआम फांसी दी जाना चाहिए। मंच के जिला संयोजक अजय मिश्रा, मीडिया प्रभारी निलेश राजपूत, पुराना भोपाल संयोजक अभिषेक तिवारी, विशाल मालवीय, गोपाल शुक्ला, पवन जोशी, वसंत त्रिवेदी आदि भी मौजूद थे।

प्रदेशभर में होंगे प्रदर्शन

इधर, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने दोपहर में चेतक ब्रिज एमपी नगर में प्रदर्शन किया। प्रांत मंत्री पप्पू वर्मा ने कहा कि इस क्रूर घटना को कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बजरंग दल के प्रांत संयोजक सुशील सुड़ेल ने कहा- इस घटना के विरोध में 30 जून को भी प्रदेशभर में प्रदर्शन किए जाएंगे। प्रचार-प्रसार प्रमुख जितेंद्र चौहान, विभाग मंत्री राजेश साहू, विभाग संयोजक दिनेश यादव, विभाग प्रचार-प्रसार प्रमुख अजय मीणा, जिला मंत्री मनीष कारा, जिला संयोजक दिनेश यादव, उपेंद्र शर्मा आदि मौजूद थे।

न्यूज ब्रीफ

म.प्र. में गर्भावस्था के दौरान संस्थागत जाँच और देखभाल में हुई बढ़ोत्तरी

मध्यप्रदेश में गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य संस्थाओं में जाँच और देखभाल करवाने वाली गर्भवती माताओं की संख्या में पिछले 5 वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। यह तथ्य नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-4 (2015) और नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 (2020-21) के तुलनात्मक आंकड़ों से स्पष्ट हुआ है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे -5 के प्रतिवेदन में बताया गया है कि गर्भवती महिलाओं में से 75 प्रतिशत ऐसी महिलाएँ हैं, जिनकी गर्भावस्था के प्रथम त्रैमास में स्वास्थ्य संस्था पर जाँच और देखभाल की गई। वर्ष 2015 के नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-4 में ऐसी महिलाओं की संख्या 53 प्रतिशत थी। सर्वे-5 के प्रतिवेदन में यह भी बताया गया है कि गर्भवती माताओं में से आधे से अधिक (58 प्रतिशत) ने प्रसव के पहले 4 अथवा 4 से अधिक बार स्वास्थ्य संस्थाओं में जाँच और देखभाल की सुविधा प्राप्त की। ऐसा करने वाली शहरी महिलाओं की संख्या ग्रामीण महिलाओं की तुलना में अधिक रही। प्रदेश में 91 प्रतिशत प्रसव स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ हुए। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-4 की तुलना में हेल्थ सर्वे-5 में स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ हुए प्रसवों में वृद्धि 81 प्रतिशत से बढ़कर 91 प्रतिशत हुई है।

दीपेन्द्र को बोरवेल से सकुशल निकालने जिला प्रशासन ने शुरू किया रेस्क्यू ऑपरेशन

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने छतरपुर में बोरवेल में बच्चे के गिरने की घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए बचाव एवं राहत कार्य तुरंत और गंभीरता से जारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बच्चे के सकुशल और सुरक्षित निकलने की कामना भी की है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव और कलेक्टर छतरपुर से फोन पर चर्चा कर बच्चे को शीघ्र निकालने की समुचित व्यवस्था करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देश पर एसडीआरएफ की टीम घटना-स्थल पर पहुँच गई है। छतरपुर जिला प्रशासन द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान रेस्क्यू ऑपरेशन की निरंतर जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। छतरपुर के ओरछा रोड थाना क्षेत्र के नारायणपुरा और पठारपुर गाँव के निवासी श्री अखिलेश यादव का 5 साल का बेटा दीपेंद्र यादव परिवार के साथ खेत पर गया था। दीपेंद्र खेलते-खेलते 40 फीट गहरे बोरवेल में गिर गया।

अब तक 1230 गैर लाइसेंसी हथियार जप्त

पंचायत एवं नगरीय निकाय आम निर्वाचन-2022 में कानून-व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश में अभी तक 1230 गैर लाइसेंसी हथियार (आर्म्स) जप्त किये जा चुके हैं और 2 लाख 57 हजार 945 लाइसेंसी हथियार जमा करवाए गए हैं। प्रिवेन्टिव सेक्सन ऑफ सीआरपीसी में एक लाख 59 हजार 474 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही की गयी है। अभी तक 19 हजार 283 गैर जमानती वारंट की तामीली भी की गयी है।

5 करोड़ 26 लाख रूपये मूल्य की मदिरा जप्त

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने जानकारी दी है कि प्रदेश में एक जून से 28 जून तक 46 हजार 257 बल्क लीटर मदिरा जप्त की गयी है, जिसका अनुमानित मूल्य 5 करोड़ 26 लाख 47 हजार 672 रूपये है। सर्वाधिक 12 हजार 802 बल्क लीटर मदिरा धार में जप्त की गयी है।

भोपाल स्टेशन पर एस्कलेटर में फंसा मासूम:खेलते समय हाथ अटका; आधे घंटे की मशक्कत के बाद निकाला, घायल

भोपाल रेलवे स्टेशन पर 7 साल का एक मासूम एस्कलेटर में फंस गया। खेलते-खेलते उलटा उतरते समय उसका हाथ फंस गया था। हाथ प्लेटफार्म पर उतरने के दौरान नीचे खाली जगह में फंस गया था। घटना भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म की मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे की है। सूचना लगते ही रेलवे कर्मचारी और अधिकारी बच्चे का हाथ निकालने में जुट गए। बच्चे को सही-सलामत बाहर निकाल लिया। उसका हाथ जख्मी हो गया है। बच्चे की मां निशातपुरा रेलवे अस्पताल पहुंच गई। डीआरएम भोपाल मंडल सौरभ बंदोपाध्याय ने बताया कि करीब 7 साल का बच्चा रेलवे प्लेटफॉर्म की तरफ खेलते हुए एस्कलेटर पर था। जानकारी के अनुसार बच्चा शायद उलटा उतर रहा था। वह बाजू से सीढ़ी की साइड दीवार को हाथ से पकड़ा था। नीचे उतरने पर दीवार और एस्कलेटर के बीच खाली जगह में उसका दायां हाथ फंस गया। उसकी चीख सुनकर आसपास से यात्री वहां पहुंच गए। सूचना मिलते ही रेलवे ने बचाव और राहत कार्य शुरू किया। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद बच्चे को सही-सलामत निकाल लिया। मेडिकल इमरजेंसी को देखते हुए निशातपुरा रेलवे अस्पताल से भी डॉक्टर की टीम को बुलाया गया। हाथ जख्मी होने के कारण बच्चे को अस्पताल ले जाया गया। घटना के दौरान बच्चा अकेला था।

देर रात अस्पताल पहुंची मां

घटना के बाद बच्चे की पहचान विशाल अहिरवार के रूप में हुई। रात को आसपास के लोगों से जानकारी मिलने के बाद उसकी मां प्रियंका अहिरवार भी अस्पताल पहुंच गया। वह स्टेशन के पास ही प्राइवेट जॉब करती है। बेटा खेलते-खेलते स्टेशन पहुंच जाता है। वह कब स्टेशन पहुंच गया। उन्हें पता नहीं है।

भोपाल में सुविधाएं न मिलने से सड़क पर लोग:अधूरी बिल्डिंग, पानी-पार्किंग जैसी सुविधा भी नहीं; चुनाव के बहिष्कार की चेतावनी

राजधानी भोपाल के शाहपुरा स्थित महाकाली टॉवर में रहने वाले लोगों ने नगर निगम चुनाव का बहिष्कार करने की चेतावनी दी है। वे दो साल से पानी, पार्किंग, लिफ्ट जैसी सुविधाएं नहीं मिलने से नाराज हैं। विरोध में सड़क पर उतरकर प्रदर्शन भी कर चुके हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। इस बारे में रहवासियों ने कलेक्टर अविनाश लवानिया और नगर निगम कमिश्नर केवीएस चौधरी से भी शिकायत की है। महाकाली गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित के जिम्मेदारों पर भी कार्रवाई करने की मांग की गई है। बावजूद मामले में अब तक ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इस कारण यहां रहने वाले लोग परेशान हो रहे हैं। रहवासियों ने बताया, छह मंजिला बिल्डिंग में कुल 51 फ्लैट बने हैं, लेकिन मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही है। कई बार पानी खरीदना पड़ता है। बिल्डिंग में प्लास्टर नहीं होने से बारिश का पानी कमरों में भर जाता है।

मुख्यमंत्री ने पीपल, नीम और हरसिंगार के पौधे लगाए

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज श्यामला हिल्स स्थित स्मार्ट उद्यान में श्री राम कॉलोनी रहवासी संघ के सदस्यों के साथ हरसिंगार, नीम और पीपल के पौधे लगाए। पौध-रोपण के साथ सभी ने श्रमदान भी किया। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग भी उपस्थित थे। पीपल पर्यावरण शुद्ध करता है और इसका धार्मिक एवं आयुर्वेदिक महत्व भी है। एंटीबायोटिक तत्वों से भरपूर नीम को सर्वोच्च औषधि के रूप में जाना जाता है।

दूसरे चरण में 47 जिलों की 106 जनपद पंचायतों की 7655 ग्राम पंचायतों में एक जुलाई को होगा मतदान

त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के दूसरे चरण में एक जुलाई को 47 जिलों की 106 जनपद पंचायतों की 7655 ग्राम पंचायतों में मतदान होगा। मतदान सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक होगा। इन निर्वाचन क्षेत्रों में एक जुलाई को स्थानीय अवकाश रहेगा। मतदान के तुरंत बाद मतदान केन्द्र में ही मतगणना होगी। मतदान के लिए कुल 23 हजार 967 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं। दूसरे चरण में एक करोड़ 31 लाख 44 हजार 27 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने जानकारी दी है कि जिला राजगढ़ के जीरापुर, खिलचीपुर, जिला रायसेन के उदयपुरा, गैरतगंज, बेगमगंज, जिला सीहोर के नसरूल्लागंज, इछावर, जिला विदिशा के सिरोंज, नटेरन, जिला खरगोन के महेश्वर, बड़वाह, खण्डवा के खालवा, पुनासा, जिला धार के गंधवानी, उमरबन (बाकानेर), धरमपुरी, मनावर, जिला झाबुआ के झाबुआ, मेघनगर, रानापुर, रामा, जिला बुरहानपुर के खकनार, जिला अलीराजपुर के अलीराजपुर, जोबट, जिला बड़वानी के ठीकरी, राजपुर, निवाली, जिला गुना के राघौगढ़, चाचोड़ा, जिला शिवपुरी के पिछोर, नरवर, कोलारस, जिला अशोकनगर के ईसागढ़, जिला दतिया के सेवढ़ा, भाण्डेर, जिला जबलपुर के मझौली, पाटन शाहपुरा, छिंदवाड़ा के सौंसर, पांढुर्ना, परासिया, बिछुआ, जिला सिवनी के लखनादौन, घंसौर (कहानापस), धनोरा, बालाघाट के लांजी, किरनापुर, कटंगी, जिला मंडला के घुघरी, मोहगांव, मंडला, जिला डिंडौरी के डिंडौरी, अमरपुर, जिला कटनी के बड़वारा, कटनी, जिला उज्जैन के खाचरौद, घटिया, जिला नीमच के जावद, जिला रतलाम के बाजना, सैलाना, शाजापुर के मोमन बड़ोदिया, जिला आगर-मालवा के आगर, जिला मंदसौर के सीतामउ, भानपुरा, जिला देवास के देवास टोंकखुर्द, सोनकच्छ, जिला सागर के मालथौन, बण्डा, देवरी, बीना, जिला छतरपुर के बड़ामलहरा, बकस्वाहा बारीगढ़ (गौरीहार), जिला दमोह के जबेरा, हटा, जिला टीकमगढ़ के टीकमगढ़, पलेरा, जिला निवाड़ी के पृथ्वीपुर, चिचोली, जिला शहडोल के ब्योहारी, जयसिंह नगर, जिला उमरिया के मानपुर, जिला अनूपपुर के जैतहरी, जिला भिंड के अटेर, भिंड, जिला श्योपुर के कराहल और जिला मुरैना के मुरैना एवं जौरा जनपद पंचायत में एक जुलाई को मतदान होगा।

MP में 93 कोरोना पॉजिटिव मिले: वीडी शर्मा हुए कोरोना संक्रमित, मप्र में एक्टिव केस पांच सौ के करीब पहुंचे

मप्र में कोरोना का संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश में हफ्ते भर के भीतर दूसरी बार 90 से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। बीते 24 घंटे में एमपी में 93 नए कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव के बीच कोरोना के बढ़ते मामलों से टेंशन बढ़ रही है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की रिपोर्ट मंगलवार को पॉजिटिव आई है। बीजेपी अध्यक्ष लगातार रैलियां और नगरीय निकाय चुनाव के रोड शो कर रहे थे। उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद संपर्क में रहे कई नेता चिंतित हैं। हालांकि तबियत खराब होने के चलते बीजेपी अध्यक्ष ने अपना 27 जून का छतरपुर पन्ना का दौरा कैंसिल कर दिया था।

इंदौर में दस में एक पॉजिटिव

बीते 24 घंटों के भीतर प्रदेश में 7208 संदिग्ध मरीजों के सैंपल की जांच की गई इनमें 1.29त्न यानि 93 पॉजिटिव मिले हैं।सबसे ज्यादा हालत दो बड़े शहरों में खराब हो रही है। इंदौर में जांचे गए सैंपल में हर दसवां संदिग्ध कोरोना संक्रमित मिल रहा है। मंगलवार को इंदौर में 560 सैंपल जांचे गए इनमें 46 संक्रमित मिले। बीते 24 घंटे के भीतर भोपाल में 17, जबलपुर में सात, ग्वालियर में पांच, सागर में चार, नरसिंहपुर, रायसेन में तीन-तीन, बालाघाट, भिंड, दतिया, डिंडोरी, खंड़वा, रतलाम, सीहोर, उज्जैन में एक-एक नया संक्रमित मरीज मिला है।

एक्टिव केस पांच सौ के करीब पहुंचे

प्रदेश में कोरोना के एक्टिव केसों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। एमपी में बुधवार को 28 जिलों में कोरोना के एक्टिव केस कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 490 पर पहुंच गई है इंदौर में 213, भोपाल में 107, जबलपुर में 42, ग्वालियर में 18, रायसेन में 16, नरसिंहपुर में 13, डिंडोरी में 11, सीहोर में नौ, होशंगाबाद, उज्जैन में आठ-आठ, सागर में छह, रतलाम में पांच, बालाघाट, खंड़वा, सिंगरौली में चार-चार,हरदा, कटनी,मंड़ला में तीन-तीन, छतरपुर, दतिया, खरगोन में दो-दो और भिंड़, बुरहानपुर, दमोह, गुना, मुरैना, राजगढ़ और शिवपुरी में एक-एक एक्टिव केस है।

मां के बर्थडे पर फंदे पर झूली 10वीं की स्टूडेंट- भोपाल में डॉक्टर मां को फोन पर कहा-सरप्राइज दूंगी और फांसी लगा ली

भोपाल में 10वीं की छात्रा ने सुसाइड कर लिया। घटना वाले दिन बच्ची की डॉक्टर मां का जन्मदिन था। उसने फोन पर कहा था कि वह मां को सरप्राइज देने वाली है। इसके बाद फंदे पर झूल गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला है। घटना के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। मामला कोलार थाना क्षेत्र का है। सनखेड़ी कोलार में रहने वाली 14 साल की हिया वर्मा पुत्री हितेश वर्मा सेंट जोसेफ ईदगाह हिल्स में 10वीं की छात्रा थी। उसकी मां चित्रा वर्मा मानसरोवर डेंटल कॉलेज में डेंटिस्ट हैं। चित्रा ने पुलिस को बताया कि मंगलवार यानी 28 जून को उनका जन्मदिन था। रोज की तरह वे कॉलेज आ गईं। हिया घर पर अकेली थी। शाम को उन्होंने बेटी को कॉल किया।

उन्होंने उससे कहा कि बेटी आज मेरा जन्मदिन है। तुमने विश नहीं किया। इस पर वह बोली- मां सरप्राइज देने वाली थी। इसके बाद फोन काट दिया। कुछ देर बाद कॉल करने पर हिया ने फोन रिसीव नहीं किया। दो-तीन बार कॉल करने पर भी जवाब नहीं दिया। अनहोनी की आशंका से वह तुरंत घर पहुंची। यहां कमरे में हिया फंदे पर लटकी मिली। उसे फंदे से उतार कर अस्पताल ले जाया गया, तब तक देर हो चुकी थी। घटना की सूचना पुलिस को रात करीब 10 बजे मिली। पुलिस ने बुधवार को पीएम के बाद शव परिवार वालों को सौंप दिया।

कारणों की जांच

कोलार पुलिस ने बताया कि फिलहाल मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला है। हिया की आखिरी बार फोन पर बात मां चित्रा से हुई थी। चित्रा के मुताबिक वह उनके जन्मदिन के लिए सरप्राइज प्लान कर रही थी।

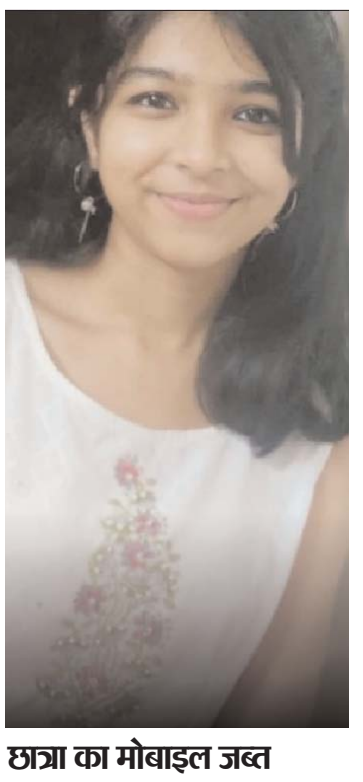

छात्रा का मोबाइल जब्त

पुलिस ने मौके से हिया का फोन जब्त किया है। पुलिस अब मोबाइल फोन की जांच कराएगी, ताकि पता चल सके कि हिया ने चित्रा के अलावा किससे बात की। अभी तक फोन से पुलिस को खास जानकारी नहीं मिली है।

पिता साथ नहीं रहते

चित्रा ने बताया कि वह पति से अलग हो चुकी हैं। वह बेटी के साथ कोलार में रहती हैं, जबकि पति नेहरू नगर में रहते हैं। हिया इसी साल 9वीं पास करके 10वीं क्लास में गई थी। पुलिस स्कूल में भी पूछताछ कर सकती है।

उद्योगों में स्थानीय युवाओं को दें प्राथमिकता - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि उद्योगों की स्थापना और पुरानी औद्योगिक इकाइयों के कार्य विस्तार के समय स्थानीय युवाओं के नियोजन पर प्राथमिकता से विशेष ध्यान दिया जाए। राज्य सरकार द्वारा निवेश संवर्धन के लिए विभिन्न क्षेत्रों में नई इकाइयों की स्थापना पर उद्योग नीति के प्रावधानों के अनुसार भरपूर सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इन इकाइयों में जनजाति बहुल क्षेत्रों में जनजाति वर्ग के पात्र बेटे-बेटियों को रोजगार का अवसर दिया जाए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज निवास पर निवेश संवर्धन पर मंत्रि- परिषद समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्थापित होने वाली नवीन इकाइयों को प्रावधान अनुसार दी जाने वाली सुविधाओं संबंधी आवश्यक निर्देश दिए। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में नीमच जिले के भीमपुरा में नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में सात हजार करोड़ रूपए की लागत से देश में अपनी तरह के दूसरे संस्थान की स्थापना और धार जिले के मनावर में सीमेंट संयंत्र की इकाई के विस्तार सहित अन्य निवेश प्रस्तावों पर चर्चा हुई। बताया गया कि मनावर संयंत्र की लागत 975 करोड़ रूपए है। वर्तमान में संयंत्र से एक हजार व्यक्तियों को रोजगार मिल रहा है। इकाई के विस्तार होने पर 300 अतिरिक्त लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नीति अंतर्गत आवश्यक सुविधाएँ देने के निर्देश प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री संजय कुमार शुक्ला को दिए।

मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

शासकीय कार्यालयों में हितग्राहियों के काम आसानी से हों : मुख्यमंत्री

अधिकारियों-कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित करने लागू की गई पुरानी पेंशन योजना

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज बैकुंठपुर के सर्किट हाउस में आयोजित समीक्षा बैठक में कहा कि शासकीय कार्यालयों में हितग्राहियों का काम आसानी से होना चाहिए। इसके लिए कार्यालयों में सकारात्मक वातावरण बनना चाहिए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करें, जाति प्रमाण पत्र के कार्य नियमित रूप से हों। उपजातियों को भी प्रमाणपत्र मिलना चाहिए। तेंदूपत्ता का बोनस और पारिश्रमिक वितरण त्वरित रूप से किया जाना सुनिश्चित करें, जंगली जानवर हमले में क्षतिपूर्ति के मुआवजा के प्रकरण लंबित न रहें। मुख्यमंत्री ने जिले के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में शासकीय योजनाओं की प्रगति और क्रियान्वयन तथा आम जनता से संबंधित कार्यों की समीक्षा की। गृहमंत्री श्री ताम्रध्वज साहू, सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत, संसदीय सचिव श्रीमती अम्बिका सिंहदेव एवं विधायक श्री गुलाब कमरो और मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि अधिकारी-कर्मचारी शासन तंत्र का अभिन्न अंग हैं। राज्य सरकार द्वारा पुरानी पेंशन योजना लागू करने का निर्णय लिया गया है, ताकि अधिकारियों- कर्मचारियों का भविष्य सुनिश्चित हो। उन्होंने अधिकारियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि भेंट-मुलाकात के दौरान कल का बहुत अच्छा फीडबैक है। आप सभी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, ऐसे ही बेहतर कार्य करते रहें। वन अधिकार पत्र का अच्छा कार्य हुआ है। व्यक्ति का विकास हमारी नीतियों और कार्यों के केंद्र में है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी विभागीय दौरों के दौरान आम जनता से संवाद बना के रखें। राशन कार्ड के प्रकार और पात्रता बताने जागरूकता अभियान चलाएं। राशन कार्ड में परिवार के सभी सदस्यों के नाम होना सुनिश्चित करें, कोई भी सदस्य न छूटे नहीं, बहरासी में महिला ने नाम दर्ज न होने शिकायत की थी। विद्युत कनेक्शन जहां सम्भव हो वहां पहुंचाएं। क्रेडा के अधिकारी सोलर लाइट के कार्य का प्रचार प्रसार करें। हाफ बिजली बिल योजना का क्रियान्वयन सौ प्रतिशत सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के अस्थायी जाति प्रमाण पत्र बनाए गए है, उन्हें समय-सीमा में स्थायी जाति प्रमाण पत्र जारी करें, वैध उत्तराधिकारी को प्रमाण पत्र उपलब्ध कराएं, स्कूल में अभियान चला कर आठवीं के ऊपर की कक्षाओं के विद्यार्थियों को जाति प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना शत् प्रतिशत सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने राजस्व प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कहा कि ग्राम सभा को अविवादित नामांतरण बटवारे के अधिकार पहले से हैं, इस विषय मे कोई दुविधा नहीं होना चाहिए।

मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि गर्म भोजन से कुपोषण दूर होगा, इस दिशा में लगातार बेहतर कार्य हों। आत्मानंद स्कूल के साथ और स्कूल भी अच्छे से चलने चाहिए। जिले में हाट बाजार क्लीनिक का अच्छा कार्य हुआ है। उन्होंने अधिकारियों से हाट बाजार क्लिनिक का व्यापक प्रचार करने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की आय में वृद्धि होने चाहिए। इसके लिए शासन कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कृषि के प्रति रुझान बढ़ा है, रकबा और किसानों की संख्या बढ़ी है, कृषि में लोगों की आय में वृद्धि हो रही है। लघु वनोपजों और वनौषधियों से लोगों के आय में वृद्धि होनी चाहिए, वनौषधि प्रसंस्करण केंद्र बनना चाहिए। वनौषधि प्रसंस्करण केंद्र बनने से लोगों को ज़्यादा कीमत मिलेगी और पलायन रुकेगा। गांव में सभी आवश्यक चीज़ें मौजूद हैं। शुद्ध और प्राकृतिक चीज़ो की मांग बढ़ी है। राजस्व अर्जन की दिशा में कार्य होना चाहिए, जुट के कार्य करने की आवश्यकता है।

मूसलाधार बारिश के बावजूद कम नहीं हुआ ग्रामीणों का उत्साह, जारी रहा मुख्यमंत्री का भेंट-मुलाकात कार्यक्रम

रायपुर। मूसलाधार बारिश के बाद भी भेंट-मुलाकात में लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ है। भेंट-मुलाकात में आस-पास के ग्रामवासी मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी बात रखने पहुंचे थे। इस दौरान मूसलाधार बारिश होने लगी मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से पूछा कि कार्यक्रम बंद करें या जारी रखे। ग्रामीणों ने पूरे उत्साह के साथ भेंट-मुलाकात जारी रखने की सहमति दी। मुख्यमंत्री ने भी बारिश में ग्रामीणों का उत्साह कम होने नहीं दिया। दरअसल मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज कोरिया जिले के मनेन्द्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कटकोना के ग्रामीणों से भेंट-मुलाकात कर रहे थे। इस दौरान मूसलाधार बारिश शुरू हो गई।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल भेंट-मुलाकात अभियान के तहत आज मनेंद्रगढ़ विधानसभा के ग्राम कटकोना पहुंचे थे। भेंट-मुलाकात के पहले मुख्यमंत्री ने यहां 'कटकोना मल्टीयूटिलिटी सेंटर' का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान बुधरा नदी पर लगभग 6 करोड़ 75 लाख रूपए की लागत से बनने वाले एनीकट निर्माण का भूमिपूजन किया। इस एनीकट के निर्माण से 33 गांव के 30 हज़ार से ज्यादा लोगों को सिंचाई, पेयजल और निस्तारी के लिए पानी की उपलब्धता होगी। यह मल्टीविलेज वाटर सप्लाई योजना के अंतर्गत बरदर जल प्रदाय समूह का हिस्सा है। उन्होंने चिरमिरी में लोगों की मांग एवं आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए पॉलीटेक्निक कॉलेज और खड़गवां में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने की घोषणा की। इस अवसर पर गृह मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू और मनेन्द्रगढ़ विधायक डॉ. विनय जायसवाल भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने मल्टीयूटिलिटी सेंटर कटकोना में 14 महिला स्व-सहायता समूहों के 140 सदस्यों से मुलाकात की। उन्होंने महिलाओं द्वारा किए जा रहे आय जनित गतिविधियों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए मल्टीयूटिलिटी सेंटर के प्रबंधक पंजी में टिप्पणी लिखी कि महिला सशक्तिकरण के तहत स्वावलंबन की ओर महिलाओं का यह एक मजबूत कदम बढ़ाया है। गौरतलब है कि समूह की महिलाएं आलू चिप्स, बेकरी, दोना पत्तल, मसाला, चप्पल, एलईडी बल्ब का निर्माण कर रही है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पाराडोल की धरती पर बोया सोनम धान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के किसान मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल खेत में नांगर-बइला (हल और बैल) देखकर खुद को रोक नहीं पाए। आज किसान को खेत में हल चलाते और धान बुवाई करते देख वे स्वयं खेत में उतर गए। उन्होंने किसान के हाथ से हल का मूठ थामा और खुद हल चलाने लगे। उन्होंने खेत में धान का छिड़काव कर बुवाई भी की। लोगों से भेंट-मुलाकात के लिए आज मनेन्द्रगढ़ विधानसभा के पाराडोल पहुंचे मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल कार्यक्रम स्थल से सटे खेत में धान बुवाई होते देख वहां पहुंच गए। उन्होंने खेत में हल चलाकर सोनम धान की बुवाई की। यह खेत गांव के कोटवार श्री भागीरथी को कोटवारी जमीन के रुप में मिली हुई है। उनके पिता और दादा ने भी गांव में कोटवारी की थी और वे इस जमीन पर तब से ही खेती करते आ रहे हैं।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत दिए जाने वाले 5 किलो प्रति हितग्राही प्रति राशन कार्ड अतिरिक्त चावल का वितरण नहीं किया जा रहा

मुंगेली-(लोरमी)। मुंगेली जिले के लोरमी ब्लाक अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत नारायणपुर में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान से हितग्राहियों को अप्रैल माह का आवंटित प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत दिए जाने वाले 5 किलो प्रति हितग्राही प्रति राशन कार्ड अतिरिक्त चावल का वितरण नहीं किया जा रहा है। वही पंचायत नारायणपुर के हितग्राही नील कुमारी से मिली जानकारी के अनुसार नील कुमारी को माह मई का चावल नहीं आया है कहकर नहीं दिया गया है और केवल राज्य सरकार द्वारा वितरित किए जाने वाले चावल की वितरित किया जा रहा है, जबकि केंद्र सरकार द्वारा कोरोना महामारी के बीच गरीबों राशन कार्ड धारियों के लिए 26 मार्च 2020 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा योजना का प्रारंभ किया गया था। केंद्र सरकार द्वारा मई के साथ अप्रैल माह का अतिरिक्त आवंटन भेजा है जिसके बावजूद महिला समूह द्वारा केंद्र सरकार द्वारा भेजे गए अतिरिक्त चावल गबन किया जा रहा है, हितग्राहियों के जानकारी के अभाव में कई गांव में अतिरिक्त चावल वितरण नहीं किया जा रहा है। कहीं ऐसा तो नहीं है कि केंद्र सरकार द्वारा भेजे गए चावल का गबन करने की तैयारी है वहीं प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 5 किलो प्रति राशनकार्ड प्रति व्यक्ति को दिया गया है कि नहीं हितग्राहियो तक पहुंच रहा है या नहीं, जिसे निरीक्षण करने कोई रुचि नहीं दिखाते नजर आ रहे है। यही वजह है कि राशन दुकान संचालक इस राशन को दबाने का प्रयास कर रहे हैं।

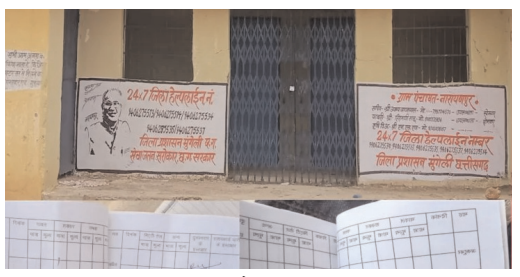

अंत्योदय व बीपीएल कार्डधारकों को अतिरिक्त आवंटन

शासन द्वारा अंत्योदय व बीपीएल परिवार लोगों को राहत देने के लिए अतिरिक्त आवंटन का निर्णय लिया है। जिसके तहत अप्रैल का प्रति सदस्य के हिसाब से 5 किलो चावल अतिरिक्त दिया जाना है और माई माह में भी अन्त्योदय राशनकार्ड में प्रति व्यक्ति 5 देना है और प्राथमिक राशनकार्ड में 3 सदस्य को 35 किलो,4 सदस्य को 40 किलो,5 सदस्य को 35 मुल चावल और 3 किलों अतिरिक्त प्रति व्यक्ति देना है जिसका वितरण मई माह के राशन के साथ पुराने सिस्टम व अतिरिक्त आवंटन साथ ही किया जाना है। ऐसे में इस ओर अधिकारियों को ध्यान दिए जाने की जरूरत है ताकि अन्य राशन दुकान संचालकों के द्वारा मनमानी पूर्वक राशन वितरण करने वाले महिला समूह के ऊपर कार्यवाही किए जा सकें और इस प्रकार की गलती अन्य समूह ना कर सके संबंध में क्षेत्र के ग्रामीणों ने अपने राशन कार्ड दिखाएं इसमें स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि राशन दुकान संचालक द्वारा केवल राज्य शासन द्वारा वितरित किया जाने वाले चावल का वितरण किया जा रहा है केन्द्र सरकार के आवंटित चावल का उल्लेख नहीं किया रहा हैं वहीं इस समूह द्वारा अंगूठा लगाने के बाद निक वाले रशीद कई उचित मूल्य दुकान में ग्राहकों को नहीं दिया जा रहा है जबकि पास के ही कई गांव रशीद दिया जा रहा है वहीं कई ग्रामों में संचालित उचित मूल्य दुकानों में शासन के योजन अनुसार चावल निर्धारित मात्रा में बांटा जा रहा है साथ ही सभी माह का रसीद भी दिया जा रहा है। वहीं लोरमी खाद्य निरीक्षक एसएच छत्री के द्वारा जांच कर उचित कार्रवाई करने की बात कही है

बाइक को मारी ठोकर, एक की मौत

बसना। थाना अंतर्गत चिमरकेल पिलवापाली के बीच रोड में रांग साईड से आकर बाइक को मारी ठोकर, एक की मौत जिसपर मामला दर्ज किया गया है. निवेश साव ने पुलिस को बताया कि वह ग्राम चिमरकेल में रहता है, 24 जून 2022 को शाम करीब 06.30 बजे खेती किसानी के काम से अपने पिताजी कीर्तन साव के साथ मोटर सायकल एच एफ डिलक्स क्रं0 सीजी 06 जीपी 1407 से ग्राम चिमरकेल से ग्राम पिलवापाली जा रहे थे.

मोटर सायकल को वह चला रहा था पिछे उसके पिताजी बैठे थे तभी उन लोग चिमरकेल से पिलवापाली के बीच दबे सिंह के खेत के पास पहुंचे थे कि सामने पिलवापाली तरफ से आ रही मो0सा0 क्रं0 सीजी 06 जीयू 0853 के चालक ने अपने मो0सा0 को तेजी एवं लापरवाही पूर्वक चलाकर रांग से आकर उसके मो0सा0 को एक्सीडेंट कर दिया.

जिससे उसके पिताजी किर्तन साव के सिर में व दाहिने पैर पंजा, एवं शरीर में गंभीर चोंटे आई जिसे ईलाज के लिए अग्रवाल नर्सिंग होम बसना में भर्ती किये जिसका प्राथमिक उपचार बाद रिफर करने पर 25 जून 2022 को बालाजी अस्पताल रायपुर में भर्ती किये जिसका ईलाज 27 जून 2022 तक ईलाज कराये जिसे तबियत में सुधार नहीं होने से वापस बसना अग्रवाल नर्सिंग होम ला रहे थे कि बसना में उसकी मृत्यु हो गयी।

इस वर्ष 1.14 करोड़ से अधिक पौधों का होगा रोपण : वन मंत्री

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा राज्य में चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 01 करोड़ 14 लाख से अधिक पौधों का रोपण किया जाएगा। इसके साथ ही वन विभाग द्वारा चालू वर्ष के दौरान 01 करोड़ 67 लाख पौधों के वितरण का लक्ष्य भी रखा गया है। राज्य में वृक्षारोपण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए वन विभाग की समस्त 257 नर्सरियों में 3 करोड़ 12 लाख से अधिक पौधे वर्तमान में उपलब्ध हैं। वन विभाग द्वारा 'तुंहर पौधा तुंहर द्वार' कार्यक्रम अंतर्गत सभी वनमण्डलों में पौध वितरण का शुभारंभ एक जुलाई से किया जाएगा। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने आज राजधानी के शंकर नगर स्थित अपने निवास कार्यालय से वर्चुअल बैठक में वृक्षारोपण कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से समीक्षा की। बैठक में सचिव वन सुश्री आर. संगीता, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री राकेश चतुर्वेदी, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) श्री पी.व्ही. नरसिंग राव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री पी.सी. पाण्डेय, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री तपेश झा, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री आशीष भट्ट तथा कैम्पा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री व्ही.श्रीनिवास राव मौजूद थे। इसके अलावा समस्त मुख्य वन संरक्षक तथा वनमंडलाधिकारी भी वर्चुअल बैठक में जुड़े हुए थे। वन मंत्री श्री अकबर ने बैठक में समस्त वन वृत्त तथा वनमंडलवार वृक्षारोपण कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में जानकारी ली और इसे सफल बनाने के लिए सभी वनमंडलाधिकारियों को कार्य योजना पर समयबद्ध ढंग से अमल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राज्य में वृक्षारोपण कार्य का सही ढंग से क्रियान्वयन हो, इसके लिए उन्होंने वन विभाग के समस्त अधिकारियों को मौका निरीक्षण सहित सतत निगरीनी रखे जाने के लिए सख्त निर्देश दिए। इनमें सभी डीएफओ को वृक्षारोपण के लिए गड्ढ़ों की खुदाई और जरूरत के मुताबिक पौधों का स्थल तक परिवहन आदि व्यवस्था को शीघ्रता से पूर्ण करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि इसके सफल क्रियान्वयन के लिए वृक्षारोपण वाले चिन्हांकित जगहों पर नर्सरी से तैयार पौधों तथा आवश्यकतानुसार खाद आदि सामग्रियों को पहुंचाने का कार्य शीघ्रता से शुरू किया जाए।

नगरीय निकायों के कार्यों की दो दिवसीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

नागरिक सुविधाओं के लिए राशि की कमी नहीं: डॉ. डहरिया

रायपुर। नगरीय प्रशासन, विकास तथा श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने कहा है कि नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं मुहैय्या कराने नगरीय निकायों के पास संसाधन की कमी नहीं है। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों को पर्याप्त राशि आबंटित की गई है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को पेयजल, साफ-सफाई, स्वास्थ्य, आवास, सड़क सहित अन्य कार्य कराने तत्परता, सजगता एवं संवेदनशीलता से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। नगरीय प्रशासन मंत्री ने नगरीय निकायों के काम-काज की समीक्षा के दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत आज यहां रायपुर स्थित सर्किट हाऊस में आज रायपुर, दुर्ग एवं सरगुजा संभाग के नगरीय निकायों के कार्यों की सघन समीक्षा की। इसके पहले कल 28 जून को प्रदेश के सभी नगर निगमों, बस्तर और बिलासपुर संभाग के अंतर्गत नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत के कार्यों की समीक्षा की। दो दिवसीय इस बैठक में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव श्रीमती अलरमेल मंगई डी. मौजूद थी।

नगरीय प्रशासन मंत्री ने मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना की मोबाइल मेडिकल यूनिट का नियमित परीक्षण करने एवं दवाईयां तथा स्वास्थ्य परीक्षण उपकरण की उपलब्धता लगातार बनाये के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि स्लम स्वास्थ्य योजना से प्रदेश में अब तक 23 लाख से ज्यादा मरीजों का उपचार किया गया है। मोबाइल मेडिकल यूनिट स्लम बस्तियों की लोगों की जरूरत बन गई है इसलिए जरूरतमंद लोगों का संवेदनशीलता के साथ स्वास्थ्य परीक्षण एवं इलाज तथा निःशुल्क दवाए उपलब्ध कराएं।

समीक्षा बैठक में पौनी पसारी, स्वच्छ भारत मिशन, अमृत मिशन, प्रधानमंत्री आवास, भवन आरक्षण एवं शहरों की नाले एवं नालियों की साफ-सफाई के कार्यों की गहन समीक्षा की गई। नगरीय प्रशासन मंत्री ने सभी शहरों में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन की लगातार मानीटरिंग करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। बैठक में श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर में लोगों को सस्ती दवाए उपलब्ध कराने दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। समीक्षा के दौरान नगरीय निकायों की राजस्व आय में वृद्धि के उपाय राजस्व वसूली एवं निकायों की दुकान आबंटन की स्थिति की समीक्षा की गई। इसी तरह से वर्षा ऋतु में नाले नाली की सफाई जल भराव वाले क्षेत्रों का चिन्हांकन एवं आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए।

बैठक में रेन वाटर हार्वोस्टिंग, टेंकर मुक्त पेयजल आपूर्ति कृष्ण कुंज स्थल चयन एवं भूमि की उपलब्धता की विस्तार से जानकारी ली गई। इसी तरह से 14वें एवं 15वें वित्त आयोग के एवं मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार नगर पालिका अध्यक्ष एवं पार्षद निधि के प्रस्ताव पर की गई कार्यवाही की समीक्षा की गई। अधिकारियों को नगरीय निकाय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समय पर वेतन भुगतान करने के निर्देश दिए गए। बैठक में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला, राज्य सहकारी विकास अधिकरण के सीईओ श्री सौमिल रंजन चौबे सहित नगरीय प्रशासन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं नगरीय निकायों के प्रभारी अधिकारी मौजूद थे।

मालखरौदा के पूर्व बीएमओ संतोष पटेल ने जाना राहुल का हाल

जांजगीर चांपा । बोरवेल मे फँसे राहुल साहू को रेस्क्यू कर सेना के जवानो ने मौत के मुंह से वापस निकाला है जिसके बाद उसे अपोलो मे भर्ती कराया गया व स्वास्थ लाभ दिया गया आज राहुल सकुशल अपने घर पिहरीद मे वापस लौटा है राहुल का हाल जानने मालखरौदा के पूर्व बीएमओ डा संतोष पटेल भी पिहरीद राहुल के घर पहुंचे जहां उन्होने राहुल के बहादुरी की मुक्त कंठ से प्रशंसा कर उसके हौसले को सलाम किया इस मौके पर रामचरित मानस की एक पुस्तक भी राहुल को संतोष पटेल के व्दारा भेंट कर आशीर्वाद दिया गया डा संतोष पटेल मालखरौदा क्षेत्र से लम्बे समय से जुडे हुए है इस क्षेत्र के हर सुख दुख मे उनका जुडाव लोगो के साथ रहा है जैसे ही लोगो को संतोष पटेल के आगमन की जानकारी हुई लोगो की भीड राहुल के घर मे जुटनी शुरू हो गई सरपंच पंच सहित गांव के सभी जनप्रतिनिधि सभी डा संतोष पटेल से मिलकर बहुत खुश हुए डा संतोष पटेल ने कहा की यह जनता का अपनापन ही है जो आने वाले चुनाव के लिए मुझे अंदर से हिम्मत दे रहा है और योग्य प्रत्याशी की छवि को बढा रहा है

संपादकीय

असमानता की चिंता

कोरोना महामारी ने मानव जाति को जो नुकसान पहुंचाया है, उसका अध्ययन आने वाले वर्षों में लगातार होगा और होना भी चाहिए। अभी पूरे आंकड़ों का आना बाकी है, लेकिन नेचर पत्रिका ने विभिन्न स्रोतों से प्राप्त आधिकारिक सर्वेक्षणों पर आधारित जिस रिपोर्ट को प्रकाशित किया है, वह बहुत उल्लेखनीय है। इस रिपोर्ट से दो बातें पुष्ट होती हैं, अव्वल तो इस महामारी ने पूरी दुनिया को गहरे से प्रभावित किया है और दूसरी बात, इस महामारी का असर दुनिया में हर जगह समान नहीं है। दुनिया में पहले से ही बहुत असमानता थी और इस महामारी ने उसे बढ़ा दिया है। नेचर की रिपोर्ट छह ग्राफिक्स के जरिए पूरा विवरण देती है, जिससे आय, स्वास्थ्य, सुरक्षा और अन्य कई मामलों में असमानता के पहलू सामने आते हैं। पिछले दो साल दुनिया के सबसे गरीब लोगों के लिए खास तौर पर चुनौतीपूर्ण रहे हैं, और यह अभी शुरुआत है। इस साल के अंत तक महामारी से पहले की तुलना में कम से कम 7.50 करोड़ लोग गरीबी में धकेल दिए जाएंगे। ये ऐसे गरीब होंगे, जो प्रतिदिन 130 रुपये से भी कम में गुजारा कर रहे होंगे। यह रिपोर्ट भी बताती है कि बढ़ती मुद्रास्फीति ने महामारी के प्रभाव को कैसे बढ़ाया है, हालांकि, महामारी ने भी महंगाई को बल दिया है।

उप-सहारा अफ्रीका में स्थिति ज्यादा खराब है, जबकि दक्षिण एशिया जैसे कुछ क्षेत्रों में गरीबी का विश्लेषण करने के लिए पर्याप्त आंकड़े नहीं हैं। वास्तव में चिंता होती है कि भारत सहित दक्षिण एशिया में कोरोना संबंधी आंकड़ों को बहुत विश्वसनीय नहीं माना जा रहा है। फिर भी अनुमान है कि एशिया जल्दी उबर जाएगा, जबकि उबरने में सबसे ज्यादा समय मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में लगेगा। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ऐंड प्रिवेंशन के आंकड़ों से पता चलता है कि अमेरिका में मृत्यु दर विशेष रूप से वहां के आदिवासियों में ज्यादा रही है, यह दर श्वेत लोगों की तुलना में लगभग 108 प्रतिशत अधिक है और एशियाई मूल के लोगों की तुलना में लगभग 180 प्रतिशत अधिक। मतलब अमेरिका में भी एशियाई मूल के लोगों ने महामारी से सबसे बेहतर मुकाबला किया है। नेचर की रिपोर्ट यह भी बताती है कि महामारी का अन्य सार्वजनिक-स्वास्थ्य समस्याओं पर भी असमान असर पड़ा है, महिलाओं के खिलाफ हिंसा में वृद्धि हुई है। 13 निम्न और मध्यम आय वाले देशों में संयुक्त राष्ट्र की इकाई द्वारा लैंगिक समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण पर किए गए सर्वेक्षण में शामिल 45 प्रतिशत महिलाओं का कहना है कि उन्होंने या उनकी जानने वाली महिलाओं ने महामारी के दौरान हिंसा का अनुभव किया है। इस मामले में भारत का जिक्र नहीं है, लेकिन बांग्लादेश में जो सर्वेक्षण हुआ है, वह बताता है कि वहां सर्वाधिक महिलाओं ने हिंसा का अनुभव किया है।

ऐसी रिपोर्ट स्वागतयोग्य और अनुकरणीय है। कोरोना महामारी के सामने एशिया या एशियाई लोगों की मजबूती काबिलेगौर पाई गई है, तो यह भी अपने आप में गहरे अध्ययन का विषय है। क्या एशिया में सरकारों के पास स्वास्थ्य, मृत्यु और संक्रमण के समग्र आंकड़े मौजूद हैं? क्या इन देशों के आंकड़ों पर विदेशी संस्थाएं विश्वास कर रही हैं? बहरहाल, असमानता को दूर करने के लिए खास तौर पर मुफ्त अनाज योजनाएं मददगार साबित हुई हैं। बेशक, भारत सहित अन्य देशों में भी गरीबों के स्वास्थ्य बीमा, शिक्षा और सुरक्षा को सुनिश्चित कर दिया जाए, तो असमानता मिटाने में बड़ी मदद मिलेगी।

नए दौर में दफ्तरों को उदार बनाने का बढ़ता चलन

(मधुरिमा नंदी, सीनियर एडिटर)

जून, 2020 में ऑनलाइन कारोबार करने वाली स्टार्टअप मीशो के पास वीवर्क इंडिया में महज चार सीटें थीं। वीवर्क इंडिया कई कंपनियों के कर्मियों को एक छत के नीचे काम करने की सुविधा देती है। मगर आज यहां मीशो के पास 700 सीटें हैं, जिनमें से 200 से अधिक सीटें मार्च तिमाही में ली गई हैं। इसने गुरुग्राम, दिल्ली, नोएडा और मुंबई में 10 से अधिक सैटेलाइट ऑफिस खोले हैं, और दो अन्य शहरों में वह ऐसा करने वाली है। कंपनी के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी आशीष कुमार सिंह कहते हैं कि उनके कर्मी कामकाज के इस तरीके से खुश हैं, फिर चाहे यह सैटेलाइट ऑफिस हो या कॉरपोरेट। इसी तरह, सोने के पुराने गहने बेचने वाली मिनसारा एनकैशमाईगोल्ड नामक एप का मुख्यालय दिल्ली के हौजखास में है। फरवरी में इस कंपनी ने नोएडा में एबीएल वर्कस्पेस सेंटर में एक केबिन और पांच सीटें लीं। इसकी सीईओ व सह-संस्थापिका श्रेष्ठा रायजादा कहती हैं कि यह किफायती है और अन्य कंपनियों के साथ कामकाज के लिहाज से एक बेहतर अनुभव भी।

स्वास्थ्य सेवा में काम करने वाली मैसाचुसेट्स स्थित कंपनी एनफेरेंस अपने ऑफिस-स्पेस का दायरा 25,000 वर्गफुट बढ़ाने की सोच रही है, क्योंकि यह अपने कर्मियों को हाइब्रिड मॉडल के तहत ऑफिस बुलाती है। एनफेरेंस की तरक्की भी महामारी के दौरान हुई। 2018 में बेंगलुरु के इंडिक्यूब फ्लेक्स वर्कसेंटर में इसकी चार-पांच सीटें थीं, लेकिन अब इसके पास 270 कर्मी हैं और 45,000 वर्ग फुट का ऑफिस भी। कंपनी की निदेशक (एडमिन एवं वित्त) मिला मैथ्यू कहती हैं कि ऑफिस में प्रति कर्मचारी 100 वर्ग फुट की अवधारणा अब पुरानी हो चुकी है। हम अधिक खुली जगह चाहते हैं, जिसमें सामान्य कार्यक्षेत्र से अलग कर्मचारियों या आगंतुकों के लिए खुला स्थान हो, बड़े-बड़े मीटिंग रूम हों, बालकनी और कैफेटेरिया हो। जाहिर है, कोविड महामारी के दौरान प्रभावित होने के बाद 'फ्लेक्स वर्कस्पेस', यानी उदार कार्यस्थल की परंपरा फिर से लौट रही है। 'न्यू नॉर्मल' ने अनजाने में इसकी मांग तेज कर दी है। आईटी कंपनियां, खासतौर से बड़ी स्टार्टअप कंपनियां इसकी अगुआ बनी हैं, जो कर्मचारियों को लचीले काम का विकल्प देना चाहती हैं।

भारत में 'को-वर्किंग इंडस्ट्री' (कई कंपनियों के कर्मियों का एक ही ऑफिस में बैठकर काम करने से जुड़ा उद्योग) 2016 में शुरू हो गया था। 2019 तक इसने काफी तरक्की की। इसमें नई-नई कंपनियां मैदान में उतरीं और अलग-अलग बिजनेस मॉडल उभरे, लेकिन कोविड महामारी ने इस पर ब्रेक लगा दिया। बेशक आज चीजें बहुत स्पष्ट दिख रही हैं, लेकिन एक साल पहले तक यह बेरंग ही था। कोविड की दूसरी लहर (मार्च-अप्रैल) में किरायेदार कंपनियां को-वर्किंग सेंटर छोड़ रही थीं या किराया नहीं दे रही थीं। 'वर्क फ्रॉम होम' (घर से काम) का चलन भी बढ़ चला था, तो यही माना गया कि गर्भ से निकला यह बिजनेस जल्द दम तोड़ देगा। एबीएल वर्कस्पेस के संस्थापकद्वय अक्षिता और अंकुर गुप्ता के लिए तो यह भयावह दौर था। एक मायने में उनकी कहानी हमें बताती है कि इस उद्योग ने पिछले कुछ वर्षों में क्या-क्या झेला है? साल 2017 में इस मियां-बीवी ने एबीएल वर्कस्पेस को लॉन्च किया था। दिल्ली के ग्रीनपार्क में 50 सीटों के साथ इसकी शुरुआत की गई, और फरवरी, 2020 तक आते-आते यहां सीटों की संख्या बढ़कर 3,000 हो गई थी। मगर कोविड में, जब कंपनियां अपने ऑफिस समेटने लगीं, तो यहां सीटें घटकर 1,400 रह गईं। 2021 में एबीएल वर्कस्पेस ने नए केंद्र खोलने शुरू किए, लेकिन तभी कोरोना की दूसरी लहर आ गई। नतीजतन, इसे किराये में कमी करने जैसे कई समझौते करने पड़े।

कहां ले जाएगी अतीत से मुंह चुराने की मुहिम

प्राचीन भारतीय समाज का दूसरा कलंक शूद्र, दलित जातियों और महिलाओं के साथ होने वाला व्यवहार रहा है। यही कारण है कि एनसीईआरटी की समाज विज्ञान की पुस्तकों में से ये वाक्य हटा दिए गए है: 'दलित लोग खेतिहर मजदूरी, मैला ढोने और चमड़े का काम करने के अपने पारंपरिक पेशे को अपनाने के लिए अभिशप्त थे।' 'अल्पसंख्यकों को इस खतरे का सामना करना ही पड़ेगा कि एक दिन बहुसंख्यक समुदाय राजनैतिक सत्ता पर नियंत्रण कर लेगा और फिर उनके धार्मिक या सांस्कृतिक प्रतिष्ठानों पर कब्जा करने के लिए राज्य की मशीनरी का इस्तेमाल करेगा।'

(मधुसूदन आनन्द)

हाल ही में दिल्ली के एक अंग्रेजी अखबार द्वारा एनसीईआरटी (राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद) की स्कूली पाठ्य पुस्तकों में संशोधन के नाम पर ऐतिहासिक तथ्यों को हटाने के रहस्योद?घाटन से शायद ही किसी को आश्चर्य हुआ होगा। सभी जानते हैं कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ही नहीं, पूरा संघ परिवार अतीत के भारत को अच्छा, सुनहरा और आदर्श दिखाने के लिए हमेशा से प्रतिबद्ध रहा है। उसे गजनी और गजनवी जैसे आक्रांताओं की लूट और मुसलमान शासकों के राजकाज के ऐतिहासिक तथ्य जरा भी नहीं सुहाते। न ही वह यह स्वीकार करने को तैयार है कि भारत की वर्ण व्यवस्था और जात-पांत के कलुषित दाग आने वाली पीढ़ियों को दिखाई पड़ें। संघ परिवार मानता है कि अंग्रेजी इतिहासकारों और उनसे प्रभावित वामपंथी इतिहासकारों ने देश के इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश किया है। वह प्राचीन और मध्यकालीन युग का अपना अलग इतिहास लिखवाने की बात करता है।

क्या-क्या निकाला- जब नया इतिहास लिखा जाएगा तब लिखा जाएगा पर अभी तो भारत की गौरवगाथा को कलंकित करने वाले तथ्यों को एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों से बाहर निकालना ही केंद्र के पास एकमात्र उपाय है जिसका जोरदार ढंग से प्रयोग भी किया जा रहा है। आइए देखें कि क्या-क्या निकाला गया है। दिल्ली के इस अंग्रेजी अखबार की पड़ताल से पता चला कि सातवीं कक्षा की इतिहास की पाठ्य पुस्तक से दिल्ली सल्तनत (जिसमें तुगलक वंश, खिलजी वंश, लोदी वंश आदि के साथ-साथ मुगल भी आते हैं) से संबद्ध अनेक पेज निकाल दिए गए हैं। पुस्तक से दिल्ली सल्तनत के दक्षिण में विस्तार से संबंधित तीन पेज हटा दिए गए हैं। मस्जिद किसे कहते हैं, जामा मस्जिद बनाने का मतलब क्या होता है, इमाम का चयन किस तरह होता है, नमाज के दौरान नमाजी मक्का (मुस्लिमों का तीर्थस्थल) की तरफ मुंह करके इबादत करते हैं- यह सारा विवरण हटा दिया गया है। इसी तरह सातवीं कक्षा की इतिहास की पुस्तक के एक अध्याय 'मुगल साम्राज्य' में से दो पन्ने हटा दिए गए हैं, जिनमें मुगलों की उपलब्धियों का ब्यौरा था। 12वीं की इतिहास की पाठ्य पुस्क से 'किंग्स एंड क्रॉनिकल्सः द मुगल कोर्ट' नामक अध्याय हटा दिया गया है। इस अध्याय में 'अकबरनामा' और

'बादशाहनामा' जैसी ऐतिहासिक पांडुलिपियों का उल्लेख था और मुगलों के युद्ध, उनकी शिकार गाथा राज-दरबार और भवन निर्माण संबंधी उनके काम को दर्शाया गया था।

सोमनाथ पर हमला करने वाले अफगानिस्तान के महमूद गजनी से संबंधित एक विवरण में पहले उसके नाम के आगे लिखे शब्द 'सुल्तान' को हटाया गया। पाठ्य पुस्तक में लिखा था कि गजनी लगभग हर वर्ष ही गुजरात और सोमनाथ के मंदिर पर हमले किया करता था। इस वाक्य को हटाकर नया वाक्य यह लिखा गया है कि गजनी ने सन् 1000-1025 के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप पर धार्मिक उद्देश्य से 17 बार आक्रमण किए! इस संशोधन को काफी हद तक सही माना जा सकता है, जिससे हमले का उद्देश्य लूट के बजाय धार्मिक विजय पाने के दावे सरीखा हो जाता है। महमूद गजनी ने भारत के लोगों को जानने समझने और उसे अरबी भाषा में लिखने के लिए अल बरूनी नामक एक विद्वान को नियुक्त किया था, जिनकी पुस्तक किताब-उल-हिंद को तमाम इतिहासकार एक महत्वपूर्ण स्रोत मानते हैं। पाठ्य पुस्तक में इससे संबंधित एक पूरा पैरा हटा दिया गया है।

प्राचीन भारतीय समाज का दूसरा कलंक शूद्र, दलित जातियों और महिलाओं के साथ होने वाला व्यवहार रहा है। यही कारण है कि एनसीईआरटी की समाज विज्ञान की पुस्तकों में से ये वाक्य हटा दिए गए हैः 'दलित लोग खेतिहर मजदूरी, मैला ढोने और चमड़े का काम करने के अपने पारंपरिक पेशे को अपनाने के लिए अभिशप्त थे।'

'अल्पसंख्यकों को इस खतरे का सामना करना ही पड़ेगा कि एक दिन बहुसंख्यक समुदाय राजनैतिक सत्ता पर नियंत्रण कर लेगा और फिर उनके धार्मिक या सांस्कृतिक प्रतिष्ठानों पर कब्जा करने के लिए राज्य की मशीनरी का इस्तेमाल करेगा।'

अंग्रेजी अखबार की जांच का निष्कर्ष है कि एक न्यायपूर्ण समाज बनाने की धारणा को मजबूत करने के लिए कक्षा 6 से लेकर कक्षा 12 तक की राजनीतिशास्त्र और सामाजिक विज्ञान की पाठ्य पुस्तकों में निचली जातियों और अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव के जिन तथ्यों को शामिल किया गया था, उन्हें हटा दिया गया है।

यह भी पता चला है कि कि पाठ्य पुस्तकों में 'इमरजेंसी' से संबंधित विवरण भी हटा दिया गया है। यह सभी को आश्चर्यजनक लगा है क्योंकि इमरजेंसी के लिए इंदिरा गांधी को दिन-रात कोसने वाली बीजेपी किसी विशेष कारण के, अपने ही ब्रह्मास्त्र को अलग रखना चाहती है। सभी जानते हैं कि हमारे देश में लोकतंत्र को काफी हद तक नाकारा बना दिया गया है। संवैधानिक संस्थाओं का इकबाल पहले की तरह बुलंद नहीं है और सरकार पर खुद नागरिक-स्वतंत्रताओं का स्पेस कम से कमतर करने के आरोप लगे हैं। तो आप भी एक स्तर पर वही गलतियां कर रहे हैं जो अपने शासन को जारी रखने के लिए इंदिरा गांधी ने की थीं। इसी तरह गुजरात के 2002 के दंगों का कलुष छिपाने के लिए भी संबंधित सामग्री को हटा दिया गया है। बेशक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुप्रीम कोर्ट से क्लीन चिट मिल गई है, मगर इन दंगों के कलुष को कोई भी कपड़ों पर गिरी बीट समझकर झाड़ नहीं सकता।

अतीत पर सफेदी- सच्चा इतिहास हमें अपने और अपने देश को समझने की एक वैज्ञानिक दृष्टि से लैस करता है। अप्रिय चीजों को किताबों से हटाकर हम अपने भावी नागरिकों में गौरव और उत्साह भरना चाहते हैं लेकिन जिस अपराधबोध को लेकर हम जिंदा हैं और अपने अतीत पर सफेद रंग पोतना चाहते हैं, वह दुर्भाग्य से हमारे डीएनए में, हमारी मानसिकता में समाया हुआ है। जरूरी है कि हम भावी पीढ़ी के भविष्य को तमाम ग्रंथियों से

दूरसंचार की पांचवीं पीढ़ी

भारत में ही 2011 में संचार तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की एक उच्चस्तरीय समिति ने शोध कर निष्कर्ष दिया था कि मोबाइल फोन और उसके टावर, दोनों ही सच में जीवधारियों के लिए समस्या है। इस समिति ने मोबाइल फोन और उनके टावरों से रेडियो आवृत्ति ऊर्जा के रूप में निकलने वाले विकिरण को तितलियों, मधुमक्खियों और गौरैया के विलुप्त होने के लिए भी जिम्मेदार माना था। उसी दौरान ऐसा ही नतीजा जेएनयू में एक सरकारी परियोजना के तहत चल रहे शोध में निकाला गया था। वहां चूहों पर हुए अध्ययन का नतीजा था कि मोबाइल फोन का विकिरण प्रजनन क्षमता पर असर डालने के अलावा मानव शरीर की कोशिकाओं के रक्षा तंत्र को नुकसान पहुंचाता है।इन शोधों का साझा निष्कर्ष यह निकलता है कि सेलुलर फोन और टावरों से पैदा होने वाला रेडियो आवृत्ति क्षेत्र शरीर के ऊतकों पर असर डालता है। कुछ शोध यह भी कहते हैं कि यह ऊर्जा ब्रेन ट्यूमर, कैंसर, गठिया, अल्झाइमर और हृदय संबंधी रोगों का कारक हो सकता है। शायद यही वजह है कि ऐसे विकिरण के प्रभाव को सीमित करने के लिए दूरसंचार कंपनियां टावरों से मिलने वाले नेटवर्क की क्षमता नहीं बढ़ाती हैं।इससे काल ड्राप की समस्या होती है क्योंकि एक सीमित दायरे से बाहर टावरों का नेटवर्क नहीं मिलता। समस्या का समाधान यह है कि विकिरण की सुरक्षित सीमा वाले कम क्षमता वाले टावरों की संख्या बढ़ाई जाए, जो थोड़ी-थोड़ी दूरी पर लगे हों। लेकिन इसके लिए भारी निवेश की जरूरत है जो कंपनियां करना नहीं चाहतीं, क्योंकि ऐसा करना सरकार और कानून की ओर से बाध्यकारी नहीं बनाया गया है।एक अन्य मुद्दा धीमी डाउनलोड गति का है। ज्यादातर उपभोक्ताओं की शिकायत है कि 4जी का पैसा लेने के बावजूद दूरसंचार कंपनियां 2जी या 3जी जैसी सेवाएं दे रही हैं। यह एक बड़ी धांधली है, जिसकी शिकायत पर अक्सर यह दलील दी जाती है कि हमारे देश में डाटा की खपत ज्यादा है। एक आकलन के मुताबिक भारत में औसतन डाटा खपत प्रति माह अठारह गीगाबाइट (जीबी) है, जबकि वैश्विक औसत ग्यारह जीबी प्रति माह ही है। इससे लगता है कि दूरसंचार संबंधी बुनियादी ढांचा डाटा खपत के मुताबिक नहीं है। ऐसे में ढांचागत क्षेत्र में और निवेश की जरूरत है।इसके अलावा डाटा दरों, काल टूटने और ध्वनि की गुणवत्ता के लिए कई कार्यों की आवश्कता है।

(संजय वर्मा)

सूचना के किसी भी तरह के प्रसार में तकनीकी रूप से संचार की भूमिका प्रमुख है। संचार की गति कितनी महत्त्वपूर्ण है, इसका अंदाजा आज के युग में सभी को है। इधर, सूचनाओं के प्रवाह की एक तकनीक 5जी से जुड़ी खबरें चर्चा में हैं। बताया जा रहा है कि देश के विभिन्न हिस्सों में दूरसंचार की पांचवीं पीढ़ी यानी 5जी सेवाओं का लाभ मिलने जा रहा है। देश के सबसे बड़े राज्यों में से एक उत्तर प्रदेश के छह शहरों में अगस्त से ही ये सेवाएं मिलने की बात है। देश के अन्य राज्यों में भी ये सेवाएं जल्द ही मिल सकती हैं।

तेज इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क की जरूरत से आज किसी को इनकार नहीं है, लेकिन सवाल है कि ग्राहकों को मौजूदा 4जी नेटवर्क की सहूलियत भी अभी तक ठीक से नहीं मिल पा रही है। कहीं बेहद धीमे इंटरनेट की समस्या है, कहीं नेटवर्क टूटने की, तो कहीं सरकारों की तरफ से लगाया गया इंटरनेट प्रतिबंध लोगों को ठगा महसूस करवाता रहा है। ऐसे में देश में दूरसंचार की 5जी सेवाएं आखिर कितनी कारगर साबित होंगीं?

इसमें संदेह नहीं कि दूरसंचार क्रांति ने भारत की आर्थिक तरक्की में महती भूमिका निभाई है। चाहे वह कंप्यूटर से जुड़ी सेवाओं की बात हो या आनलाइन पढ़ाई-खरीदारी की, हर जगह आधुनिक दूरसंचार सेवाओं की मौजूदगी दिखाई पड़ती है। एक जमाने में लैंडलाइन वाले फोन से आगे बढ़ते हुए 2जी से लेकर 4जी तक मोबाइल-इंटरनेट की सहूलियतों के बल पर साकार हुई दूरसंचार क्रांति ने आम आदमी की जिंदगी में काफी बड़ा बदलाव ला दिया। कोरोना काल में तो यह बात और भी पुख्ता ढंग से साबित हुई कि दूरसंचार क्रांति के बल पर ऐसे-ऐसे काम घर बैठे संपन्न होने लगे, जिनके बारे में शायद अनुमान तक नहीं लगाया गया था।देश में चौथी पीढ़ी तक पहुंची मोबाइल-इंटरनेट सेवाओं ने साबित किया है कि अब कोई तरक्की संचार के भरोसेमंद नेटवर्क के बिना संभव नहीं है। यही वजह है कि देश में लंबे समय से पांचवीं पीढ़ी के संचार नेटवर्क यानी 5जी की अधीरता से प्रतीक्षा हो रही है। हाल में सरकार ने इसका एलान किया है कि भारत में 5जी नेटवर्क की शुरुआत अगस्त-सितंबर से हो जाएगी। इसके लिए 5जी स्पेक्ट्रम को मंजूरी दे दी है। दावा है कि 5जी नेटवर्क स्थापित हो जाने पर मोबाइल और इंटरनेट ग्राहकों को 4जी के मुकाबले दस गुना ज्यादा तेज दूरसंचार सेवाएं मिल सकेंगी।उल्लेखनीय है कि आज

ब्राडबैंड (विशेषत- मोबाइल ब्राडबैंड) आम नागरिकों की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। देश में वर्ष 2015 के बाद से 4जी सेवाओं का तेजी से विस्तार हुआ। इसी का नतीजा है कि आज देश में अस्सी करोड़ ग्राहकों की ब्राडबैंड तक पहुंच है, जबकि वर्ष 2014 में यह आंकड़ा साल महज दस करोड़ था।तकनीक के रूप में देखें तो मोबाइल इंटरनेट पर बढ़ती निर्भरता हमें कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) और 5जी सेलुलर नेटवर्क का हामी करार देती है। 2जी के मुकाबले 4जी का स्वाद चख चुके लोगों को 5जी की शरण में जाने से रोकना आसान नहीं होगा। बिना ड्राइवर कारें चलानी हों, टेली सर्जरी और मनोरंजन के लिए तेज रफ्तार से फिल्मों की डाउनलोडिंग से लेकर आनलाइन पढ़ाई की गति बढ़ानी हो तो तेज गति वाला इंटरनेट अब 5जी के रूप में ही ज्यादा मददगार है। यही वजह है कि अमेरिका, यूरोप, दक्षिण कोरिया और चीन आदि जैसे तेज तरक्की के ख्वाहिशमंद मुल्कों में 5जी परीक्षण काफी अरसे से चल रहे हैं। जापान जैसे कुछ देशों में तो 5जी पुरानी बात हो गई है। वहां 2030 तक 6जी को लाने की तैयारी चल रही है।लेकिन तकनीक के फायदे अपनी जगह हैं और उसे अभिशाप ठहराने वाली बातें अपनी जगह। आशंका है कि पहले से ही मोबाइल विकिरण की सीमित मार झेल रहे इंसानों की सेहत पर 5जी तकनीक आपदा बन कर टूटने वाली है। हालांकि अदालतों को ऐसे आरोपों की कोई ठोस जमीन नहीं मिली है।अदालतों का मत है कि इस बारे में पर्याप्त शोध उपलब्ध नहीं हैं जो यह कहते और साबित करते हों कि मोबाइल विकिरण सच में इंसानों, जीवों या पर्यावरण के लिए घातक है। लेकिन इसकी एक सच्चाई यह है कि दुनिया में ऐसे दर्जनों शोध हैं जो मोबाइल फोन और इनके नेटवर्क के लिए आमतौर पर रिहाशयी इलाकों में इमारतों के ऊपर मौजूद टावरों से हानिकारक विकिरण फैलने का दावा करते हैं।

भारत में ही 2011 में संचार तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की एक उच्चस्तरीय समिति ने शोध कर निष्कर्ष दिया था कि मोबाइल फोन और उसके टावर, दोनों ही सच में जीवधारियों के लिए समस्या है। इस समिति ने मोबाइल फोन और उनके टावरों से रेडियो आवृत्ति ऊर्जा के रूप में निकलने वाले विकिरण को तितलियों, मधुमक्खियों और गौरैया के विलुप्त होने के लिए भी जिम्मेदार माना था। उसी दौरान ऐसा ही नतीजा जेएनयू में एक सरकारी परियोजना के तहत चल रहे शोध में निकाला गया था। वहां चूहों पर हुए अध्ययन का नतीजा था कि मोबाइल फोन का विकिरण प्रजनन क्षमता पर असर डालने के अलावा मानव शरीर की कोशिकाओं के रक्षा तंत्र को नुकसान पहुंचाता है।इन शोधों का साझा निष्कर्ष यह निकलता है कि सेलुलर फोन और टावरों से पैदा होने वाला रेडियो आवृत्ति क्षेत्र शरीर के ऊतकों पर असर डालता है। कुछ शोध यह भी कहते हैं कि यह ऊर्जा ब्रेन ट्यूमर, कैंसर, गठिया, अल्झाइमर और हृदय संबंधी रोगों का कारक हो सकता है। शायद यही वजह है कि ऐसे विकिरण के प्रभाव को सीमित करने के लिए दूरसंचार कंपनियां टावरों से मिलने वाले नेटवर्क की क्षमता नहीं बढ़ाती हैं।इससे काल ड्राप की समस्या होती है क्योंकि एक सीमित दायरे से बाहर टावरों का नेटवर्क नहीं मिलता। समस्या का समाधान यह है कि विकिरण की सुरक्षित सीमा वाले कम क्षमता वाले टावरों की संख्या बढ़ाई जाए, जो थोड़ी-थोड़ी दूरी पर लगे हों। लेकिन इसके लिए भारी निवेश की जरूरत है जो कंपनियां करना नहीं चाहतीं, क्योंकि ऐसा करना सरकार और कानून की ओर से बाध्यकारी नहीं बनाया गया है।एक अन्य मुद्दा धीमी डाउनलोड गति का है। ज्यादातर उपभोक्ताओं की शिकायत है कि 4जी का पैसा लेने के बावजूद दूरसंचार कंपनियां 2जी या 3जी जैसी सेवाएं दे रही हैं। यह एक बड़ी धांधली है, जिसकी शिकायत पर अक्सर यह दलील दी जाती है कि हमारे देश में डाटा की खपत ज्यादा है। एक आकलन के मुताबिक भारत में औसतन डाटा खपत प्रति माह अठारह गीगाबाइट (जीबी) है, जबकि वैश्विक औसत ग्यारह जीबी प्रति माह ही है। इससे लगता है कि दूरसंचार संबंधी बुनियादी ढांचा डाटा खपत के मुताबिक नहीं है। ऐसे में ढांचागत क्षेत्र में और निवेश की जरूरत है।इसके अलावा डाटा दरों, काल टूटने और ध्वनि की गुणवत्ता के लिए कई कार्यों की आवश्कता है।

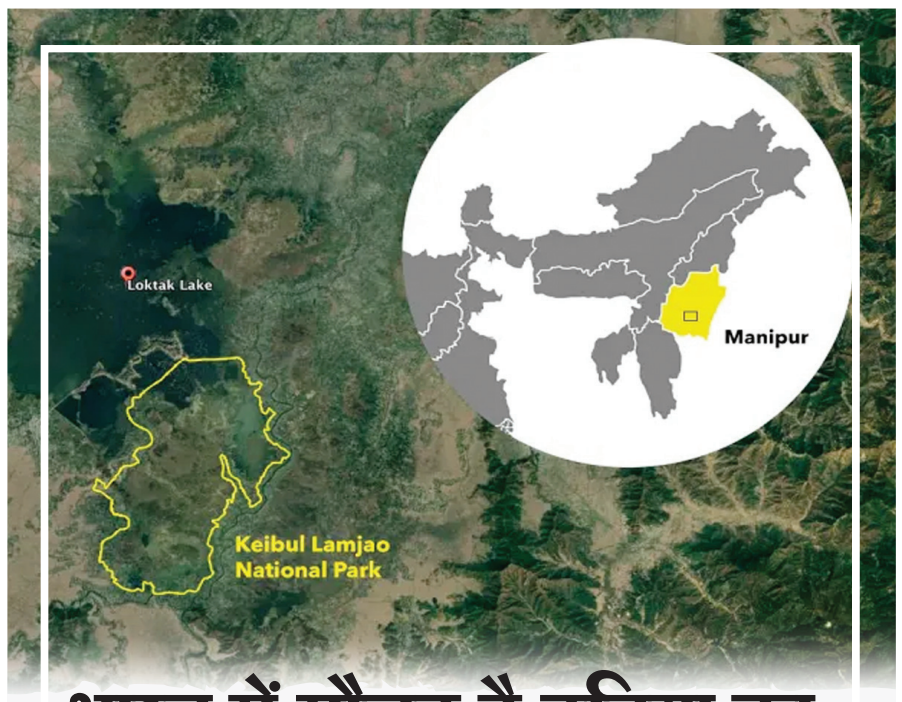

भारत में मौजूद है दुनिया का एक मात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान

केयबुल लामजाओ

केबुल लामजाओ नेशनल पार्क दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान है, जो भारत के मणिपुर राज्य के उत्तर-पूर्व में स्थित है और यह लोकतक झील का एक प्रमुख हिस्सा है। केइबुल लामजाओ नेशनल पार्क 40 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है जिसे 1977 में राष्ट्रीय रिजर्व के रूप में घोषित किया गया था। यह खूबसूरत पार्क 450 से अधिक किस्मों के ऑर्किड की मेजबानी करता है जबकि इसमें जलीय वनस्पतियों की 100 से अधिक प्रजातियों सहित हिमालयी चितकबरे किंगफिशर, ब्लैक पतंग, बत्तख आदि पक्षियों की कई प्रजातियां भी पाई जाती हैं। तथ्य यह है कि यह एक तैरता हुआ द्वीप है, एक अनूठी विशेषता है जो दुनिया भर से प्रकृति के प्रति उत्साही और शोधकर्ताओं को आकर्षित करती है। प्रकृति का यह पहलू जादुई है जिसे केवल इम्फाल में ही देखा जा सकता है।

जब भी बात होती है दुनिया के सबसे प्राचीन और सबसे बड़े किसी उद्यान के बारे में तो जिक्र होता है कि वो उद्यान भारत में नहीं बल्कि किसी विदेशी शहर में मौजूद होगा। लेकिन, ऐसा नहीं है। दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप माजुली द्वीप और दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान भारत ही मौजूद है और विश्व विख्यात भी है। जी हां, आपको जानकर ये हैरानी नहीं होना चाहिए कि किसी अन्य देश में नहीं बल्कि, भारत के नॉर्थ-ईस्ट राज्य मणिपुर में मौजूद है दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ केयबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान। इस राष्ट्रीय उद्यान में घूमने के लिए हर साल देश से लेकर विदेशों तक के सैलानी लाखों की संख्या में आते हैं। खूबसूरत और इस अद्भुत उद्यान पर घूमने का सपना लगभग हर कोई देखता है।

उद्यान का इतिहास

लगभग 40 वर्ग मिलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ ये राष्ट्रीय उद्यान लोकतक झील का एक प्रमुख हिस्सा है। तक़रीबन साल 1953 के आसपास इस पार्क को संगाई हिरण की रक्षा के के रूप में जाना जाता था। लेकिन, वर्ष 1966 में इसे राष्ट्रीय अभयारण्य के रूप में घोषित किया और कुछ वर्षों बाद इसका नाम केयबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान घोषित कर दिया गया। हालांकि, राष्ट्रिय अभयारण्य घोषित करने से पहले लोग जानवरों का शिकार करते थे लेकिन, बाद में इस पर पावंदी लगा दी गई। केइबुल लामजाओ नेशनल पार्क मूल रूप से वनस्पति के कई तैरने वाले टापूओं के साथ एक दलदल है, जो कि मिट्टी के कणों के साथ कार्बनिक डंप और बायोमास के संचय द्वारा निर्मित है। लोकतक झील में तैरते हुए ये टापू इतने बड़े होते हैं कि काफी भारी स्तनधारी जीव उन पर जीवित रह सकते हैं। कुछ फुमदी झील के पार तैरती हैं जबकि कुछ पानी के नीचे जमीन से जुड़ी जड़ों के साथ स्थित होती हैं। यह क्षेत्र वेटलैंड के संरक्षण के लिए रामसर साइट्स की सूची में शामिल है। 1997 तक, पार्क का कुल क्षेत्रफल 4,000 हेक्टेयर से अधिक था, हालांकि, अब इसे घटाकर लगभग 2,200 हेक्टेयर कर दिया गया है। राष्ट्रीय उद्यान के कुल क्षेत्रफल का एक बड़ा हिस्सा तैरते हुए टापू या फुमदी से बनता है।

लोकतक झील के बीच में है स्थित

छोटे-छोटे टापू को मिलाकर एक अभयारण्य का निर्माण किया गया है। ये अभयारण्य इस्तना बड़ा था की कई बार इसे छोटा भी किया गया ताकि सही से जानवरों की देखभाल किया जा सके। कहा जाता है कि अभयारण्य की बनावट को देखने के लिए दुनिया भर में शोधकर्ताओं का आगमन लगा रहता है कि एक पार्क किस तरह पानी के बीचो-बीज मौजूद है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि लोकतक झील/लोकटक झील विश्व की एकलौती ऐसी झील है जो तैरती हुई दिखाई देती है।

केइबुल लामजाओ नेशनल पार्क की वनस्पति और जीव

दुनिया का एक मात्र तैरता हुआ केइबुल लामजाओ नेशनल पार्क लीयर स्काईलार्क, नॉर्दर्न हिल मैना, बर्मीस पाइद मैना, नॉर्थ इंडियन ब्लैक ड्रोंगोस, जंगल क्रो, येलो हेडेड वैगेटल, विभिन्न प्रकार के डक, क्रेन और वुड पेकर्स जैसे पक्षियों की कई प्रजातियों का घर है। जबकि जानवरों में, ब्रो एंटेलियर डियर या डांसिंग डियर, हॉग डियर, जंगली सूअर, बड़े भारतीय सिवेट, फॉक्स, जंगल कैट, गोल्डन कैट, बे बांस रैट, मस्क क्रू, कॉमन श्रूव, फ्लाइंग फॉक्स, सांभर जैसे कई वन्यजीव यहाँ पाए जाते हैं। केइबुल लामजाओ नेशनल पार्क की प्राकृतिक परिस्थितियाँ कई जलीय प्रजातियों, उभयचरों और सरीसृपों का समर्थन भी करती हैं जिनमें चन्ना स्ट्रेटा, कॉमन कार्प, कीलबैक कछुआ, वाइपर, क्रेट, कोबरा, पायथन, एशियन रैट स्नेक, वाटर कोबरा, रसेल का वाइपर और चेकर गार्टर स्नेक शामिल हैं।

वनस्पतियाँ

केइबुल लामजाओ नेशनल पार्क में प्रचुर मात्रा में पाई जाने वाली वनस्पति तेजस्वी है। तैरने वाले दलदल या फुमदी में इस वनस्पति का समावेश होता है जो लगभग 120 सेंटीमीटर मोटी होती है। इसके अलावा इस एरिया में लेर्सिया हेक्सेंड्रा और सिंग कांबोंग जिजानिया लतीफोलिया की कुछ विशिष्ट प्रजातियाँ भी पाई जाती हैं। जिजानिया लतीफोलिया को मंचूरियन वाइल्ड राइस के नाम से भी जाना जाता है और यह एक ऐसा पौधा है जो प्रोटीन का एक समृद्ध स्रोत है, जो अक्सर आस-पास रहने वाले रहने वालों द्वारा खाया जाता है। इस क्षेत्र में कोइक्स लेक्रिमा-जोबी, केरेक्स और लिल्हर पॉलीगोनम परफोलिएटम जैसे कई चावल भी उगते हैं।

कस्तूरी मृगों का घर नंदा देवी नेशनल पार्क

उत्तराखंड में नंदा देवी नेशनल पार्क आकर आप खूबसूरत नजारों को देखने के साथ ही भालू, हिरन जैसे जानवरों को भी देख सकते हैं। इतना ही नहीं यहां लुप्त हो चुकी वनस्पतियां भी देखी जा सकती हैं। शानदार पहाड़, चारों ओर फैली हरियाली और उनमें टहलते हुए जीव-जंतु कुछ ऐसा होता है नंदा देवी नेशनल पार्क का नजारा। ब्रम्ह कमल और भरल (पहाड़ी बकरी) यहां पार्क की शोभा बढ़ाते हुए मिल जाएंगे। समुद्रतल से 3500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित नंदा देवी नेशनल पार्क, उत्तराखंड में स्थित है। लगभग 63033 वर्ग किमी में फैला ये उत्तर भारत का सबसे बड़ा पार्क है।

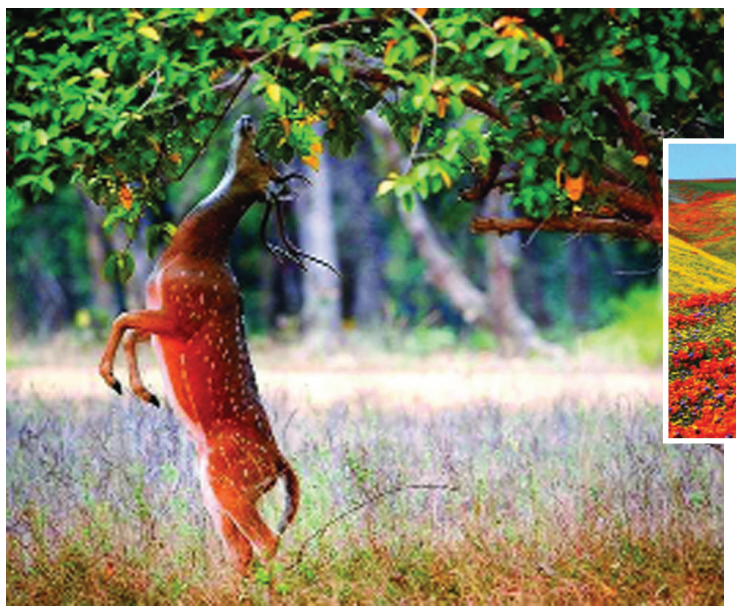

यूनेस्को की लिस्ट में शामिल है ये पार्क

1939 में नंदा देवी को नंदा देवी सेंक्चुअरी का दर्जा मिला। 630 स्क्वेयर किमी में फैला ये पार्क 1982 में नंदा देवी नेशनल पार्क बना और साल 1988 में यूनेस्को ने इसे अपने वर्ल्ड हेरिटेज साइट की लिस्ट में शामिल किया।

नंदा देवी नेशनल पार्क की खासियत

जीव-जंतु - बड़े स्तनधारियों में हिमालयन कस्तूरी मृग, मेनलैंड सीरो, लाल लोमड़ी और हिमालयन ताहर देखे जा सकते हैं। इनके अलावा स्नो लैपर्ड, लंगूर के साथ ही ब्लैक और ब्राउन बियर पार्क की आप आसानी से अपने कैमरे में कैद कर सकते हैं। 1993 में यहां 114 प्रकार के पक्षियों की पहचान की गई थी। 40 प्रकार की तितलियां और इतनी ही मकड़ियां भी यहां मौजूद हैं।

पेड़-पौधे - नंदा देवी नेशनल पार्क कई सारी वनस्पतियों का भी घर है। यहां फूलों की 312 प्रजातियां मौजूद हैं वहीं 17 तरह की लुप्तप्राय जातियां जिसमें बर्च, रोडोडेड्रोन और जूपिटर खास हैं। वैसे ये भारत के तीर्थ स्थलों में से भी एक है।

नेशनल पार्क के आसपास चोटियां

नंदा देवी नेशनल पार्क के आसपास और भी कई सारी चोटियों को देखा जा सकता है जिसमें दुनागिरी (7066 मीटर), चांगबंद (6864 मीटर), कालंका (6931 मीटर), ऋषि पहाड़ (6992 मीटर), मैंगराव (6765 मीटर), नंदा खाट (6631 मीटर), मैकतोली (6803 मीटर), मृगथुनी (6655 मीटर), त्रिशूल (7120 मीटर), बेथारतोली हीमल (6352 मीटर) और पूर्वी नंदादेवी (7434 मीटर) शामिल हैं।

जरूरी टिप्स

- यहां आने वाले सैलानियों को ग्रूप में जाने की ही इजाजत है। जिसमें 5-6 लोग होते हैं। और ग्रूप के साथ गाइड जरूर रहते हैं।
- 14 साल से ऊपर की आयु वालों ही यहां जा सकते हैं।
- जंगल में किसी तरह के नियम-कानूनों का उल्लंघन मान्य नहीं।
- घूमने आ रहे हैं तो हर तरह से फिट होना बहुत ही जरूरी है क्योंकि यहां रास्ते लंबे और टेढ़े-मेढ़े हैं साथ ही मौसम हर पल बदलता रहता है।

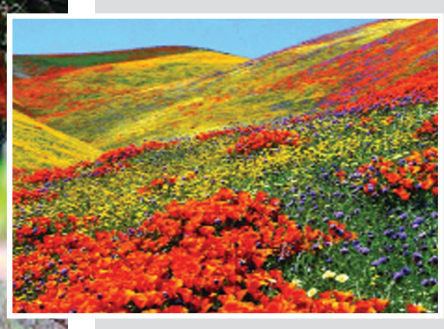

सही समय

नंदा देवी नेशनल पार्क, 1 मई से 31 अक्टूबर मतलब साल के 6 महीने ही खुलाता है। जो इसी दौरान यहां घूमने-फिरने का मजा ले सकते हैं। वैसे 15 जून से 15 सितंबर के बीच जाना हर तरीके से सही डिसीजन है।

कैसे पहुंचे

हवाई मार्ग- देहरादून का जॉली ग्रांट एयरपोर्ट यहां तक पहुंचने का नजदीकी एयरपोर्ट है।
रेल मार्ग- ट्रेन से आ रहे हैं तो ऋषिकेश करीबी रेलवे स्टेशन है।
सड़क मार्ग- जोशीमठ से बसें मिलती हैं जिससे आप नंदा देवी नेशनल पार्क पहुंच सकते हैं। इसके अलावा ऋषिकेश और उत्तराखंड के बाकी जगहों से भी यहां तक के लिए बसों की सुविधा मौजूद है।

ये हैं लिखने की गुप्त कलाएं

लिखने के तरीके और भाषाएं तो बहुत सी होती हैं, लेकिन इनमें कुछ ऐसी लिपियां भी हैं, जिनमें लिखे गए संदेश या बात वहीं व्यक्ति समझ सकता है, जिसे ये लिपि आती है। सामान्य व्यक्ति इन्हें केवल आड़ी-तिरछी रेखाएं या चित्र समझ लेता है।

क्रिप्टोग्राफी

क्या आपने कभी अपनी क्लास में ऐसे गुप्त संदेश भेजे हैं जिनमें लिखा हुआ संदेश आपके सहपाठी या टीचर समझ न पाएं? हां! तो आप क्रिप्टोग्राफी में निपुण हैं। गुप्त संदेश लिखने के तरीकों का विज्ञान और उनका अध्ययन क्रिप्टोग्राफी कहलाता है।

स्टेगानोग्राफी

यदि कोई संदेश इस तरह से भेजा जाए कि कोई यह न जान सके कि कोई संदेश भेजा गया, तो उस कार्य को स्टेगानोग्राफी कहा जाता है। यह शब्द यूनानी मूल का है और इसका अर्थ है 'छुपी हुई लिखाई'। क्रिप्टोग्राफी के बजाय स्टेगानोग्राफी में यह फायदा है कि संदेश छुपा होता है और उस पर ध्यान नहीं जाता जबकि क्रिप्टोग्राफी शंका पैदा कर सकती है।

किसी स्टेगानोग्राफिक संदेश में कोई साधारण पत्र, लांड्री की सूची, कोई चित्र या कोई आलेख, कुछ भी हो सकता है। यह तकनीक नई नहीं है और सदियों से इसका उपयोग विभिन्न तरीकों से हो रहा है। प्राचीन यूनान में, गुप्त संदेश संदेशवाहक की खोपड़ी और उसके शरीर पर गोद दिए जाते थे। विश्व युद्धों के दौरान, गुप्त स्याही बहुत प्रचलित थी। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान व उसके बाद,जासूस जानकारी भेजने और प्राप्त करने के लिए फोटोग्राफी से बने माइक्रोडॉट्स का उपयोग आम था।

डिजिटल युग में स्टेगानोग्राफी वर्तमान समय में स्टेगानोग्राफी का अर्थ अधिकतर कंप्यूटर की फाइलों में डिजिटल जानकारियों को छुपाना हो गया है। उदाहरण के लिए कोई साधारण इमेज फाइल भेजते समय उसमें इमेज के किसी पैटर्न के साथ बिना दिखे कोई गुप्त कोड या पाठ भेजा जा सकता है। जिस किसी को अंदेशा न हो, वह उस संदेश को नहीं पकड़ पाएगा। साउंड फाइलों में छुपी जानकारी, एन्क्रिप्टेड डेटा में डेटा, छुपी स्याही से लिखे संदेश, वीडियो में एम्बेड किए गए चित्र, जानकारियां भेजने के अन्य स्टेगानोग्राफिक तरीके हैं। डिजिटल वॉटर मार्किंग के क्षेत्र में इस तकनीक ने काफी उपयोगी योगदान दिया है।

स्पैम से सावधान

स्टेगानोग्राफी के दुरुपयोग की बहुत संभावनाएं हैं। हमें मिलने वाली जंक मेल कई बार स्पैम न होकर गुप्त संचार का भाग हो सकती है। इन ई-मेल संदेशों में संदेश स्टेगानोग्राफी के जरिये छुपा दिए जाते हैं। यह इसका सबसे खतरनाक पहलू है क्योंकि इसका उपयोग षड्यंत्रों और आतंकवादी गतिविधियों के संचालन में इस प्रकार किया जा सकता है कि किसी को इसकी भनक भी न लगे।

छुपे संदेशों को डी-कोड करना

कूट संदेशों को पढ़ने के लिए इसके विशेषज्ञ स्टेगानालिसिसनामक तकनीक का उपयोग करते हैं। स्टेगानोग्राफी एनेलिसिस एंड रीसर्च सेंटर ने अब तकस्टेगानोग्राफी के 725 प्रयोगों का पता लगाया है। उनकी विशेषज्ञता से हम यह जान सकते हैं कि हमारे सामने इस तकनीक का कैसा प्रयोग है, तकनीकी स्टेगानोग्राफी या भाषायी स्टेगानोग्राफी, सीमाग्राम्स, ओपन कोड्स या जार्गन कोड्स। इस प्रकार के विश्लेषण कानून के रखवालों के लिए बहुत मददगार होते हैं।

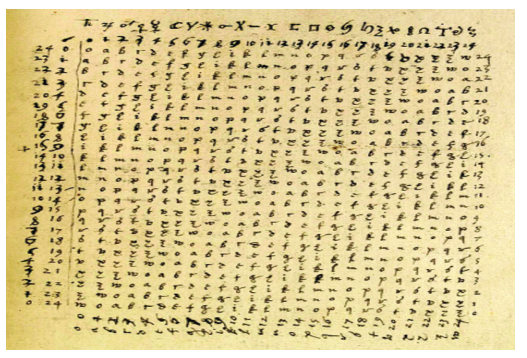

विश्लेषण के तरीके

स्टेगानोग्राफिक विश्लेषण के कुछ तरीके विकसित किए गए हैं जो विश्लेषित की जाने वाली वस्तुओं पर आधारित हैं। विश्लेषण के लिए उपलब्ध वस्तुओं के आधार पर स्टेगानोग्राफिक विश्लेषणों को निम्न प्रकारों में बाँटा जा सकता है...

केवल स्टेगानोग्राफी अटैक: केवल विश्लेषण के लिए, जब स्टेगानोग्राफिक माध्यम का पता हो।
चोजन स्टेगानोग्राफी अटैक: जब माध्यम और अल्गोरिदम दोनों उपलब्ध हों।
नोन स्टेगानोग्राफी अटैक: जब स्टेगानोग्राफी का माध्यम, उसका वाहक और अल्गोरिदम, सभी विश्लेषण के लिए उपलब्ध हों।
नोन कैरियर अटैक: जब वाहक और स्टेगानोग्राफी का माध्यम दोनों विश्लेषण के लिए उपलब्ध हों।
नोन मैसेज अटैक: जब छुपा संदेश ज्ञात हो।
चोजन मैसेज अटैक: किसी ज्ञात संदेश और स्टेगानोग्राफी अल्गोरिदम का उपयोग भविष्य के विश्लेषण और तुलना के लिए स्टेगानोग्राफी मीडिया बनाने में किया जाए।
किसी भी अन्य क्षेत्र की तरह, स्टेगानोग्राफी पर शोध लगातार जारी हैं और स्टेगानालिसिस द्वारा नए आविष्कार हो रहें हैं। इसके विशेषज्ञ स्टेगानोग्राफी की अधिकांश तकनीकों को स्टेगानालिसिस के दायरे में लाने के तरीके खोजने के लिए सतत प्रयासरत हैं।

अटार्नी जनरल केके वेणुगोपाल का कार्यकाल तीन महीने के लिए फिर बढ़ा

नई दिल्ली। भारत सरकार के निवेदन पर वरिष्ठ अधिवक्ता केके वेणुगोपाल बतौर अटार्नी जनरल तीन महीने और सेवा देंगे। सूत्रों के मुताबिक खबर मिली है कि भारत सरकार ने वरिष्ठ अधिवक्ता से कार्यकाल बढ़ाने का निवेदन किया, जिस पर वे सहमत हो गए हैं। दरअसल वेणुगोपाल का कार्यकाल 30 जून को पूरा हो रहा है। सूत्रों के अनुसार मिली जानकारी से पता चला है कि अटार्नी जनरल और तीन महीने की सेवा के लिए तैयार हो गए हैं, या भारत सरकार उन्हें जब तक उपयुक्त समझती है सेवा ले सकती है। 91 वर्षीय वेणुगोपाल, राष्ट्रपति द्वारा 2017 में तीन वर्षों के लिए भारत के अटार्नी जनरल नियुक्त किए गए थे। इसके बाद इनका कार्यकाल एक वर्ष में दो बार के लिए बढ़ाया जा चुका है। चूकि वरिष्ठ अधिवक्ता वेणुगोपाल के तजुर्बे का भारत सरकार को दरकार है। ऐसे में भारत सरकार का निवेदन वरिष्ठ अधिवक्ता ने स्वीकार कर ली है। सूत्रों के अनुसार, अटार्नी जनरल बता चुके हैं कि कुछ व्यक्तिगत वजहों से वे संवैधानिक पद पर बने रहना नहीं चाहते। बावजूद भारत सरकार ने उनसे निवेदन किया है कि वे कानून के प्रमुख पद पर बने रहें। वेणुगोपाल सुप्रीम कोर्ट के महत्वपूर्ण अधिवक्ता हैं, जो संविधान की व्याख्या से संबंधित तमाम मामलों में शामिल रह चुके हैं। वहीं, बतौर संवैधानिक कानून विशेषज्ञ इनको सम्मानित भी किया चुका है। कानूनों की संवैधानिक व्याख्या में माहिर वरिष्ठ अधिवक्ता वेणुगोपाल ने व्यक्तिगत कारणों से न चाहते हुए भी, भारत सरकार के निवेदन पर वे अब भी भारत के अटार्नी जनरल बने रहेंगे। वेणुगोपाल, 1979 से 1980 तक भारत के अतिरिक्त सालिसिटर जनरल भी रह चुके हैं। 2002 में वेणुगोपाल को बेहतर कामों के चलते पद्म भूषण और 2015 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया जा चुका है। वहीं, वेणुगोपाल 1972 में ही सुप्रीम कोर्ट के द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता के तौर पर स्थापित हो चुके थे। इनके कामों से प्रभावित भारत सरकार ने इन्हें फिर से बतौर अटार्नी जनरल रहने का निवेदन किया है।

कैपिटल हिल हिंसा पर नया खुलासा

ट्रम्प जानते थे कि उनके समर्थकों के पास हथियार हैं, फिर भी उन्होंने भीड़ को उकसाया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद) पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थकों के हमले को लेकर बुधवार को सुनवाई हुई। इसे 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को पलटने की कोशिश माना गया था। मामले की सुनवाई कर रही अमेरिकी कांग्रेस कमेटी के सामने ट्रंप की सहयोगी कैसिडी हचिंसन ने गवाही दी। कैसिडी की गवाही ट्रम्प के खिलाफ रही। उन्होंने कहा कि हिंसा के दौरान डोनाल्ड ट्रम्प जानते थे कि उनके समर्थकों के पास हथियार हैं। वे समर्थकों का साथ देने के लिए कैपिटल हिल जाना चाहते थे। भीड़ में शामिल होना चाहते थे।

ट्रम्प ने सीक्रेट एजेंट पर हमला किया था

इतना ही नहीं ट्रम्प को जब एक सीक्रेट सर्विस एजेंट ने कैपिटल हिल ले जाने मना किया तो उन्होंने उसका गला पकड़ लिया। इसके अलावा उन्होंने अपने सीक्रेट सर्विस लिमोसिन ड्राइवर की जगह खुद स्टीयरिंग व्हील संभालने की कोशिश की।

गुस्साए ट्रम्प किसी की बात सुनने तैयार नहीं थे

हचिंसन ने कहा- ट्रम्प के हेड ऑफ सिक्योरिटी स्टाफ बॉबी एंगल ने मुझसे कहा कि बीस्ट (अमेरिकी राष्ट्रपति की गाड़ी) में जब ट्रम्प बैठे तो वह कैपिटल हिल जाना चाहते थे। उन्हें बताया गया कि वहां नहीं जा सकते हैं, वहां बहुत खतरा है। इस पर वो गुस्सा हो गए और कहा कि मैं राष्ट्रपति हूं और मुझे कैपिटल लेकर चलो। ट्रम्प को बताया गया था कि उनके समर्थकों के पास हथियार हैं। वे ये जानते थे कि हिंसा होगी। इसके बाद उन्होंने कहा- मुझे फर्क नहीं पड़ता की उनके पास हथियार हैं। वो (समर्थक), मुझे चोट नहीं पहुंचाएंगे। उन्होंने हथियारों से लैस समर्थकों को कैपिटल हिल जाने को कहा।

सांसदों की समिति ने अपनी रिपोर्ट में आरोप लगाया कि 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल में हिंसा कोई दुर्घटना नहीं थी। यह ट्रम्प का अंतिम स्टैंड था। ट्रम्प ने दंगों को अंजाम दिया और तख्तापलट की कोशिश की।

व्हाइट हाउस 3 धड़ों में बट गया था। एक ग्रुप ट्रम्प से हिंसा रोकने के लिए कह रहा था। इस ग्रुप में उनकी बेटी इवांका ट्रम्प शामिल थीं। दूसरे ग्रुप में ट्रम्प के कुछ एडवाइजर थे। वो मामले को लेकर न्यूट्रल थे। वो जानते थे कि एक्शन लिया जाना चाहिए, लेकिन ट्रम्प तुरंत कार्रवाई नहीं करेंगे। तीसरा ग्रुप डिफलेक्टिंग-ब्लेम कैटेगरी का था। इसमें वाइट हाउस के पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ मार्क मीडोज शामिल थे। इस ग्रुप का कहना था कि जो हिंसा कर रहे थे वो ट्रम्प समर्थक नहीं थे।

इस मामले में कोर्ट भी ट्रम्प को मान चुका है दोषी

कैपिटल हिल हिंसा मामले में अमेरिकी अदालत ने अप्रैल 2-22 में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ फैसला सुनाया था। अदालत ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कांग्रेस में बाधा डालने और अपनी चुनावी हार को उलटने के लिए अपने वाइस प्रेसिडेंट माइक पेंस पर दबाव डाला। ऐसा करके उन्होंने गुंडागर्दी की। ट्रम्प को शायद पता था कि चुनावी धोखाधड़ी के उनके आरोप निराधार थे और इसलिए यह साजिश गैरकानूनी थी।

ट्रम्प के करीबी रहे एपस्टीन की गर्लफ्रेंड को सजा

अमेरिका की एक कोर्ट ने सेक्स अफेंडर जेफ्री एपस्टीन की गर्लफ्रेंड को 20 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने गिस्लीन मैक्सवेल को लड़कियों के यौन शोषण करने में जेफ्री एपस्टीन की मदद करने के आरोप में दोषी पाया। 60 साल की गिस्लीन पॉपुलर पूर्व ब्रिटिश जर्नलिस्ट रॉबर्ट मैक्सवेल की बेटी हैं। उन पर लड़कियों को बहला-फुसलाकर जेफ्री के पास भेजने के आरोप लगे थे। 17 साल की एक लड़की ने अरोप लगाते हुए कहा था कि जेफ्री एपस्टीन और उसकी प्रेमिका गिस्लीन मैक्सवेल ने उसे बड़े-बड़े राजनेताओं, बिजनेसमेन, यहां तक की ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू समेत कई अमीर और शक्तिशाली लोगों के साथ यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया था। गिरफ्तार कर लिया गया था। उसने 2019 में न्यूयॉर्क की एक जेल में आत्महत्या कर ली थी। जेफ्री और गिस्लीन चाइल्ड अब्यूज में शामिल थे। 1994 से 2006 तक दोनों ने कई अपराधों को अंजाम दिया। 2006 में पहली बार जेफ्री एपस्टीन पर 18 साल से कम उम्र की लड़कियों के साथ सेक्स करने के लिए क्रिमिनल चार्ज लगे।

अग्निवीर बनने को लेकर युवाओं में जोश

छह दिनों में इंडियन एयरफोर्स को 1.83 लाख से ज्यादा आवेदन मिले

नई दिल्ली, एजेंसी। अग्निपथ योजना के तहत इंडियन एयरफोर्स को सिर्फ 6 दिनों में 1.83 लाख से अधिक आवेदन मिले हैं। एयरफोर्स की ओर से बताया गया कि स्कीम के तहत 24 जून से रजिस्ट्रेशन प्रोसेस शुरू हुई थी। 26 जून तक यानी सिर्फ 3 दिनों में 56,960 आवेदन मिले, वहीं 27 जून यानी सोमवार तक 94,281 आवेदन प्राप्त हुए। सरकार ने 14 जून को इस स्कीम की घोषणा की थी। जिसके बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए।

प्रदर्शन के दौरान कई राज्यों में हिंसा हुई। विपक्षी दलों ने सरकार ने इस स्कीम को वापस लेने की मांग की। इंडियन एयरफोर्स ने ट्विटर पर कहा कि अग्निपथ योजना के तहत अब तक 1,83,634

आवेदन मिले हैं। रजिस्ट्रेशन 5 जुलाई 2022 को बंद हो जाएगा। सरकार ने कहा था कि योजना के तहत साढ़े 17 से 21 साल की उम्र के युवाओं इस योजना में शामिल किया जाएगा। इनमें से 25त्न अग्निवीरों को पर्मानेंट कर दिया जाएगा।

रिटायरमेंट के बाद कई नौकरियों में वरीयता: 16 जून को सरकार ने इस योजना के तहत भर्ती के लिए युवाओं की उम्र सीमा को 21 से बढ़ाकर 23 साल कर दिया। बाद में 4 साल का कार्यकाल पूरा कर रिटायर होने वाले अग्निवीरों को सीआरपीएफ सहित कई विभागों में वरीयता देने का ऐलान कर दिया गया। जब युवाओं ने इस योजना को लेकर विरोध शुरू किया तो भाजपा शासित कई राज्यों ने सरकारी नौकरियों में अग्निवीरों को वरीयता देने की वादा किया। वहीं तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जो लोग हिंसा कर रहे हैं वे अग्निवीर नहीं बन पाएंगे।

आज से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा

पहली बार यात्रा मार्गों पर एंटी ड्रोन सिस्टम तैनात किए गए

श्रीनगर, एजेंसी। दो साल के लंबे इंतजार के बाद गुरुवार से अमरनाथ यात्रा शुरू हो रही है। ऐसे में प्रशासन सभी व्यवस्थाओं को फिनिशिंग टच देने के लिए ओवरटाइम काम कर रहा है। इस बार रिकॉर्ड 8 लाख लोगों के आने की उम्मीद है। अब तक 3 लाख से अधिक श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। आतंकियों की ओर से ड्रोन हमले की आशंका को देखते हुए यात्रा मार्गों पर पहली बार विशेष एंटी ड्रोन सिस्टम लगाई गई है। यह प्रणाली एक विशेष नियंत्रण कक्ष से जुड़ी है, जहां से पल-पल की निगरानी रखी जाती है। इसके अलावा, सीसीटीवी और ड्रोन की मदद से दोनों मार्गों पर यात्रा की निगरानी की जाएगी। मार्गों को सेक्टरों में बांटा गया है। सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम हर सेक्टर पर तैनात रहेगी।

1 लाख जवानों की तैनाती

3880 मीटर ऊंचाई पर स्थित पवित्र गुफा की 43 दिन लंबी यात्रा पहलगाम के 48 किमी वाले लंबे मार्ग व कश्मीर के बालटाल के 14 किमी वाले छोटे लेकिन दुर्गम मार्ग से एक साथ शुरू होगी। दोनों मार्गों पर हर रोज 10 हजार यात्री ही जा सकेंगे। सुरक्षित और सुगम यात्रा के लिए कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। इस साल जम्मू-कश्मीर के गेटवे लखनपुर से 450 किमी दूर पवित्र गुफा तक सख्त पहरा है। सुरक्षाबलों के 70 हजार से 1 लाख जवान यात्रा मार्ग पर तैनात हैं। यह अब तक की सबसे बड़ा सुरक्षा जमावड़ा है। मार्ग पर

सभी पर्वत चोटियों पर सुरक्षा चौकियां बनाई गई हैं। हर दिन पूरे मार्ग पर चप्पे-चप्पे की गहन जांच की जा रही है। मार्ग पर आने वाले लोगों की 24 घंटे निगरानी की जा रही है। कश्मीर स्वास्थ्य सेवा के निदेशक डॉ. मुश्ताक अहमद राथर बताते हैं कि यात्रा के लिए करीब 100 एम्बुलेंस के अलावा 70 स्वास्थ्य केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें 6 बेस अस्पताल, चिकित्सा सहायता केंद्र, आपातकालीन सहायता केंद्र और 26 ऑक्सीजन बूथ हैं। इसके अलावा 11 ऑन-रूट सुविधाएं और 17 अन्य अस्पताल उपलब्ध हैं। 100 क्रिटिकल और बेसिक केयर एम्बुलेंस भी लॉन्चिंग मोड पर रखी गई हैं। डॉक्टर, मेडिकल और पैरामेडिकल स्टाफ समेत 1500 लोगों की टीम तीन शिफ्ट में काम करेगी। इसके अलावा, चंदनवाड़ी और बालटाल में 70 बिस्तरों वाले 2 समर्पित अस्पताल तैयार किए गए हैं।

पूरे मार्ग पर 1.3 लाख लोगों के ठहरने की व्यवस्था

तीर्थयात्रियों के लिए पूरे मार्ग पर ठहरने की व्यवस्था की गई है। बालटाल, नुंवन , शेषनाग, पंचतरणी और पवित्र गुफा में टेंट और पूर्वनिर्मित हट मिलेगी। ये आवास करीब 70 हजार यात्रियों की मेजबानी करेगा। कुल मिलाकर लखनपुर से गुफा तक के पूरे मार्ग पर 1.30 लाख तीर्थयात्रियों की मेजबानी की व्यवस्था की है। जम्मू में यात्रा मार्ग पाकिस्तानी सीमा के नजदीक है। इसलिए सीमा पार सुरंगों का पता लगाने और घुसपैठ को रोकने के लिए सुरक्षा बल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तलाशी अभियान चला रहे हैं। बीते 40-42 दिनों में 50 से ज्यादा आतंकियों को मारा गया है। इनपुट हैं कि सीमा पार से 150 आतंकी घुसपैठ की कोशिश में हैं । इस वर्ष यात्री हेलिकॉप्टर सेवा का भी लाभ उठा सकेंगे। पहली बार श्रद्धालु श्रीनगर से पंचतरणी तक आसानी से यात्रा कर सकते हैं और एक ही दिन में पवित्र यात्रा पूरी कर सकते हैं। हुमहामा, पहलगाम और नीलग्राथ में विशेष हेलीपैड बनाए गए है। इमरजेंसी हेलीपैड भी तैयार किए गए हैं। श्रद्धालु श्राइन बोर्ड की वेबसाइट पर हेलिकॉप्टर की बुकिंग करा सकते हैं।

यूक्रेन युद्ध में रूस का साथ देने वाली 36 पाकिस्तानी और चीनी कंपनियों को अमेरिका ने किया ब्लैक लिस्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने मंगलवार को यूक्रेन युद्ध में रूस समर्थक पाकिस्तानी व चीनी समेत कुल 36 कंपनियों को काली सूची में डाल दिया है। राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने रूसी सेना व रक्षा उद्योग की मदद के आरोप में चीन की पांच कंपनियों को व्यापार की काली सूची में डाला है। फेडरल रजिस्टर के अनुसार, काली सूची में डाली गई अन्य 31 कंपनियां रूस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) लिथुआनिया, पाकिस्तान, सिंगापुर, ब्रिटेन, उज्बेकिस्तान व वियतनाम की हैं।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने जिन 36 कंपनियों पर कार्रवाई की है, उनमें से 25 का संचालन चीन से होता है। वाणिज्य विभाग ने बताया कि

आरोपित कंपनियों ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमले से पहले प्रतिबंधित श्रेणी वाली रूसी कंपनियों को सामग्री की आपूर्ति की थी और हमले के बाद भी आपूर्ति संबंधी अनुबंध कायम रखा। वाणिज्य विभाग के अपर सचिव (उद्योग व सुरक्षा) एलन एस्टेवेज ने कहा, इस कार्रवाई ने दुनियाभर की कंपनियों व लोगों को कड़ा संदेश दिया है कि अगर आप रूस का समर्थन करते हैं, तो अमेरिका से रिश्ता खत्म हो जाएगा। काली सूची में डाले जाने का मतलब है कि कंपनियों के अमेरिकी आपूर्तिकर्ताओं को उन तक माल भेजने से पहले वाणिज्य विभाग से अनुमति लेनी होगी। जियो न्यूज के अनुसार, रूसी सेना को आपूर्ति करने वाली तीन चीनी कंपनियों कन्नेस इलेक्ट्रानिक लिमिटेड, व?र्ल्ड जेट्टा व लाजिस्टिक्स लिमिटेड से संपर्क नहीं हो सका, जबकि किंग बाई टेक्नोलाजी व विन्निक इलेक्ट्रानिक ने फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अमेरिका ने यूक्रेन पर हमले के मामले में रूस पर सख्त प्रतिबंधों का एलान किया है। इसी क्रम में रूस व उसकी समर्थक कंपनियों को काली सूची में डाला जा रहा है।

PRESS ITDC ITDC NEWS www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अप्रकाशित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

उदयपुर मर्डर पर सियासत तेज

राहुल-ममता ने की निंदा, ओवैसी बोले- नूपुर गिरफ्तार हो

नई दिल्ली, एजेंसी। नूपुर के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले उदयपुर के कन्हैयालाल के मर्डर पर देश में गुस्सा देखने को मिल रहा है। तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, राहुल गांधी और ओवैसी ने घटना की निंदा की है। वहीं, मर्डर पर सियासत भी गर्म हो चुकी है। एआईएमआईएम चीफ ओवैसी ने बुधवार को कहा कि नूपुर शर्मा का भाजपा से निलंबन ही काफी नहीं, उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि धर्म के नाम पर बर्बरता बर्दाश्त नहीं की जा सकती।

ओवैसी बोले- किसी को भी कानून हाथ में लेने का हक नहीं: असदुद्दीन ओवैसी ने हत्या की निंदा करते हुए राजस्थान सरकार सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की। ओवैसी बोले- उदयपुर में हुई क्रूर हत्या निंदनीय है। ऐसी हत्या को कोई सही नहीं ठहरा सकता।

हमारी पार्टी का मुसलसल स्टैंड यही है के किसी को भी कानून को अपने हाथों में लेने का हक नहीं है। हमारी सरकार से मांग है कि वो मुजरिमों के खिलाफ सख्त से सख्त एक्शन लें। पुलिस अधिक सतर्क होती तो ऐसी घटना होती ही नहीं। कट्टरता फैल रही है। नूपुर शर्मा को गिरफ्तार किया जाना चाहिए, पार्टी से सिर्फ निलंबन ही काफी नहीं है।

राहुल बोले- आतंक फैलाने वालों को सजा मिले: राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा- उदयपुर में हुई जघन्य हत्या से मैं बेहद स्तब्ध हूं। धर्म के नाम पर बर्बरता बर्दाश्त नहीं की जा सकती। इस कदर

हैवानियत से आतंक फैलाने वालों को तुरंत सख्त सजा मिले।

पवन खेड़ा ने कहा- कन्हैया कुमार, अखलाक और पहलू खान नफरत के शिकार हुए: कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार प्रमुख पवन खेड़ा ने ट्वीट किया- कन्हैया कुमार, अखलाक और पहलू खान यह सब नफरत के शिकार हुए। कौन है जो देश में कट्टरता का माहौल बना रहा है? कौन है जो समाज में विवाद पैदा कर रहा है? कौन है जो नफरत फैला कर राजनैतिक लाभ प्राप्त कर रहा है?÷ उन्होंने कहा, ÷सब जानते हैं, वो कौन है। सब देख रहे हैं, वो मौन है।

जमीयत बोली- यह घटना इस्लाम और देश के कानून के खिलाफ: जमीयत उलमा-ए-हिंद ने उदयपुर की हत्या की घटना की निंदा करते हुए कहा कि यह इस्लाम और देश के कानून के खिलाफ है। जमीयत ने कहा कि इस हमले को किसी भी तरीके से सही नहीं ठहराया जा सकता। किसी को भी कानून हाथ में लेने का हक नहीं है। जमीयत की ओर से देश के सभी नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की गई है।

विवेक अग्निहोत्री ने नाराजगी जताई: द कश्मीर फाइल्स के डायरेक्टर विवेक रंजन अग्निहोत्री ने इस घटना पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा- एक सच्चा हिंदू बनना और हिंदू-स्थान में जीवित रहना असंभव होता जा रहा है। इसके लिए या तो अर्बन नक्सल बनें या गुमनाम हो जाएं या मारे जाएं।

ममता ने कहा- हिंसा और उग्रवाद स्वीकार नहीं: पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने इस घटना की निंदा है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा- किसी भी हालतक में हिंसा और उग्रवाद को स्वीकार नहीं किया जा सकता। कानून इस मामले में अपनी कार्रवाई करेगा, मैं सभी से शांति बनाए रखने की अपील करती हूं।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका के खिलाफ 5 विकेट लेकर नाथन लायन ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

ऑस्ट्रेलिया के स्टार स्पिनर नाथन लायन ने श्रीलंका के खिलाफ जारी पहले टेस्ट मैच में अपने टेस्ट करियर का 20वां 5 विकेट हॉल लेकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। ऑस्ट्रेलिया ने नाथन लायन के 5 विकेट की बदौलत श्रीलंका को पहली पारी में सिर्फ 212 रन पर ढेर कर दिया। लायन टेस्ट क्रिकेट में 20 बार पांच विकेट या उससे अधिक हासिल करने वाले केवल पांचवें ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बने। उनसे आगे शेन वॉर्न (37), ग्लेन मैक्ग्रा (29), डेनिस लिली (23) और क्लेरी ग्रिमेट (21) है।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनरों को सुबह के सत्र में कोई विकेट नहीं मिला। लेकिन उन्होंने श्रीलंका के बल्लेबाजों को काफी परेशान किया विशेषकर ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने पिच से मिल रहे टर्न और उछाल का अच्छा फायदा उठाया। लायन ने श्रीलंका के कप्तान दिमुथ करुणारत्ने, एंजेलो मैथ्यूज, निरोशन डिकवेल, रमेश मेंडिस और लसिथ एम्बुलडेनिया को आउट किया।

ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर नाथन लायन ने न्यूजीलैंड के महान सर रिचर्ड हैडली को टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने के मामले में पीछे छोड़ दिया है। न्यूजीलैंड के महान सर रिचर्ड हैडली के नाम टेस्ट करियर में 431 विकेट हैं, वहीं लायन के अब 432 विकेट हो गए हैं। लायन टेस्ट क्रिकेट में सर्वकालिक 12वें सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए।

ऑस्ट्रेलिया के स्पिन गेंदबाजों मिशेल स्वीपसन (3) और नाथन लियोन के 5 विकेट की बदौलत श्रीलंका पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन अपनी पहली पारी में 212 रन ही बना सकी। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और लंच तक स्कोर दो विकेट पर 68 रन था। लियोन ने इसमें छह रन का इजाफा होने पर श्रीलंका को एक और झटका दिया। उन्होंने श्रीलंकाई कप्तान दिमुथ करूणारत्ने को सिली प्वाइंट पर डेविड वॉर्नर के हाथों लपकवाया।

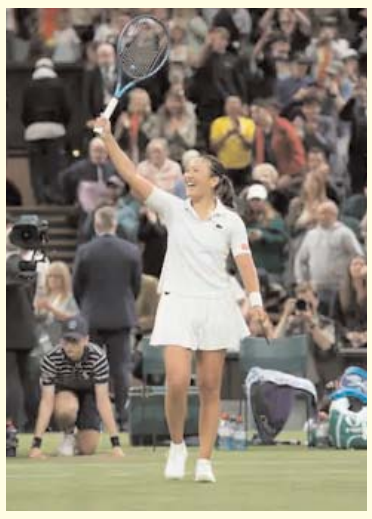

विंबलडन में उलटफेर:पहले दौर में हारीं 23 बार की ग्रैंड स्लैंम चैंपियन सेरेना विलियम्स, नडाल जीते

दुनिया के सबसे पुराने टेनिस टूर्नामेंट में मंगलवार रात पहले ही दौर में बड़ा उलटफेर देखने को मिले। यहां 23 ग्रैंड स्लैंम चैंपियन सेरेना विलियम्स हारकर बाहर हो गईं। वहीं, दुनिया की नंबर-1 महिला टेनिस खिलाड़ी इगा स्वातेक विम्बलडन के दूसरे राउंड में पहुंच गईं। पोलैंड की स्वातेक ने क्रोएशिया की जाना फेट को महज 74 मिनट में 6-0, 6-3 से मात दी। 5वीं सीड मारिया सक्कारी, 12वीं सीड जेलेना ओस्तापेंको, 13वीं सीड बारबरा क्राजिकोवा, चौथी सीड पाउला बाडोसा, पूर्व नंबर-1 सिमोना हालेप, पूर्व चैंपियन पेत्रा क्वितोवा और 18 साल की कोको गॉफ दूसरे राउंड में पहुंच गईं। पुरुष सिंगल्स में एलेक्स डि मिनॉर, स्टीव जॉनसन, डेविड गॉफिन, जैक सॉक, मैकेंजी मैकडोनाल्ड, क्रिस्टियन गेरिन, रिचर्ड गास्केट ने भी दूसरे राउंड में जगह बनाई। इस बीच, पिछली बार के रनरअप इटली के मातेओ बेरेटिनी को कोरोना हो गया और वे टूर्नामेंट से हट गए। इतना ही नहीं, टूर्नामेंट के कुछ मैच सस्पेंड करने पड़े। जबकि कुछ कैंसिल हुए।

मुगरुजा उलटफेर की शिकार

चैंपियनशिप की नौवी सीड खिलाड़ी गरबाइन मुगुरुजा को उलटफेर का शिकार होना पड़ा है। उन्हें जर्मनी की गैर वरीय खिलाड़ी जी मिनेन ने 6-4 से हराया। पहले सेट के बाद मुगुरुजा ने गेम छोड़ दिया।

एक साल बाद वापसी कर रही थीं सेरेना

अमेरिकी स्टार सेरेना विलियम्स पहले की दौर का मुकाबला हार गईं। उन्हें फ्रेंच प्लेयर हार्मोनी टेन ने 7-5, 1-6, 7-6 से हराते हुए सेरेना को एक साल बाद विजयी वापसी से रोक लिया। वे पिछले सीजन में चोट के चलते हट गई थीं।

खिलाड़ी कर रहे थे LBW की अपील, डेविड वॉर्नर की चालाकी से श्रीलंका के कप्तान भी रह गए हैरान

ऑस्ट्रेलिया के स्टार खिलाड़ी डेविड वॉर्नर ने एक बार फिर अपनी शानदार फील्डिंग के दम पर सबको चौंका दिया है। ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जा रहा है। पहले टेस्ट मैच के पहले दिन डेविड वॉर्नर ने श्रीलंका के कप्तान दिमुथ करूणारत्ने को आउट करने के लिए हवा में डाइव में लगाकर बेहतरीन कैच पकड़ा।

वॉर्नर के इस कैच ने साबित कर दिया है कि वह बाकी खिलाड़ियों से ज्यादा मैदान पर एक्टिव दिखे। दरअसल श्रीलंका के कप्तान दिमुथ करूणारत्ने के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एलबीडब्ल्यू की अपील कर रहे थे। इस दौरान डेविड वॉर्नर ने गेंद पर अपनी पैनी नजर बनाए रखी थी और स्लिप पर खड़े वॉर्नर ने गेंद को पकड़ने के लिए लंबी डाइव लगाई और कैच पकड़ा। डेविड वॉर्नर ने कैच आउट की अपील की और रिव्यू में दिखा कि पैड पर लगने से पहले गेंद का बल्ले से संपर्क हो चुका था।

श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद कप्तान दिमुथ करूणारत्ने और पाथुम निसांका ने पहले विकेट के लिए 38 रन जोड़े। कमिंस ने निसांका (23) को उछाल लेती गेंद पर विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच कराया। चार रन बाद स्टार्क ने तीसरे नंबर के बल्लेबाज कुसाल मेंडिस (03) को भी कैरी के हाथों कैच कराके श्रीलंका का स्कोर दो विकेट पर 42 रन कर दिया।

इस सीरीज को वॉर्न-मुरलीधरन ट्रॉफी नाम दिया गया है जो मिलकर 1508 टेस्ट विकेट हासिल करके खेल के लंबे प्रारूप में दो सबसे सफल गेंदबाज हैं। मार्च में थाईलैंड में छुट्टियां मनाने के दौरान दिल का दौरा पड़ने से शेन वार्न के निधन के बाद यह इस ट्रॉफी के लिए पहली श्रृंखला है। मैच से पहले वॉर्न को याद किया गया। आस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर वार्न ने 708 टेस्ट विकेट चटकाए हैं जबकि श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन के नाम 800 टेस्ट विकेट दर्ज हैं।

विराट कोहली दिमाग में बैठा चुके हैं कि फिर से कभी टेस्ट कप्तानी नहीं करनी है

क्या विराट कोहली को इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट में कप्तानी करनी चाहिए? इस पर तमाम दिग्गज अपनी राय दे चुके हैं। इंग्लैंड के सीनियर स्पिनर मोईन अली को लगता है कि विराट को रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में टीम इंडिया की कमान संभालनी चाहिए, लेकिन उन्होंने साथ ही कहा कि उन्हें नहीं लगता कि विराट ऐसा करेंगे। रोहित प्रैक्टिस मैच के दौरान कोविड-19 टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए। इसके बाद से इस पर सस्पेंस बना हुआ है कि क्या वह बर्मिंघम के एजबेस्टन में होने वाले टेस्ट मैच में खेल पाएंगे या नहीं। रोहित के कवर के तौर पर मयंक अग्रवाल को टीम इंडिया में शामिल किया गया है। केएल राहुल पहले ही चोट के चलते इस सीरीज का हिस्सा नहीं हैं।

भारत और इंग्लैंड के बीच 2021 में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू हुई थी, जिसका आखिरी मैच कोविड के चलते स्थगित हुआ था। सीरीज में टीम इंडिया 2-1 से आगे चल रही है। उस समय टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली थे। मोईन अली ने स्पोर्ट्स टुडे पर कहा, %यह कह पाना मुश्किल है, मैं इस बारे में पिछली रात सोच रहा था। क्योंकि पिछली बार इस सीरीज के समय विराट कप्तान थे, तो ऐसे में मैं अगर होता तो मैं उनको ही कप्तानी सौंपता, लेकिन यह पूरी तरह से उनका कॉल होगा।%

मोईन ने आगे कहा, %मुझे नहीं लगता कि वह कप्तानी के लिए तैयार होंगे। वह खुश हैं और उनका दिमाग भी रिलैक्स्ड है और उनका दिमाग शायद उनसे कह रहा है कि अब मैं टेस्ट क्रिकेट में कभी कप्तानी नहीं करने जा रहा। तो, हां उनका कप्तानी करना मुश्किल होगा, लेकिन यह अच्छा हो सकता है कि क्योंकि वह अनुभवी हैं और टीम इंडिया के लिए यह अहम सीरीज है।

वीरेंद्र सहवाग का खुलासा- धोनी ने जब टीम से ड्रॉप किया था तब ODIs छोड़ने का बना लिया था मन, सचिन तेंदुलकर के कहने पर बदला फैसला

बाद वीरेंद्र सहवाग को इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहे कुल सात साल होने वाले हैं। अक्टूबर 2015 में उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का फैसला लिया था। सालों बाद उन्होंने कुछ अहम बातों का खुलासा किया है। सहवाग ने बताया कि जब 2008 में ऑस्ट्रेलिया दौरे से रूछ्ठ्ठश्ठ्ठद्ध ने उन्हें वनडे टीम से ड्रॉप कर दिया था, तो उन्होंने वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट छोड़ने का मन बना लिया था, लेकिन स्ड्डष्द्धद्बठ्ठ ञ्जद्गठ्ठस्रह्वद्यद्मड्डह्म के कहने पर उन्होंने अपना फैसला बदल लिया था। सहवाग 2011 आईसीसी वर्ल्ड कप में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली टीम का हिस्सा थे।

वीरेंद्र सहवाग को इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहे कुल सात साल होने वाले हैं। अक्टूबर 2015 में उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का फैसला लिया था। सालों बाद उन्होंने कुछ अहम बातों का खुलासा किया है। सहवाग ने बताया कि जब 2008 में ऑस्ट्रेलिया दौरे से रूछ्ठ्ठश्ठ्ठद्ध ने उन्हें वनडे टीम से ड्रॉप कर दिया था, तो उन्होंने वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट छोड़ने का मन बना लिया था, लेकिन स्ड्डष्द्धद्बठ्ठ ञ्जद्गठ्ठस्रह्वद्यद्मड्डह्म के कहने पर उन्होंने अपना फैसला बदल लिया था। सहवाग 2011 आईसीसी वर्ल्ड कप में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली टीम का हिस्सा थे।

चहल की वाइफ ने गोविंदा के गाने पर किया धमाल, 10 लाख से ज्यादा बार देखी गईं

टीम इंडिया के स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल की वाइफ धनश्री वर्मा इस वक्?त आयरलैंड में हैं, जहां एक दिन पहले ही भारत-आयरलैंड टी20 सीरीज खत्?म हुई है। अपनी शानदार कोरियोग्राफी के साथ डांस वीडियो बनाने के लिए मशहूर धनश्री ने आयरलैंड की सड़कों पर एक इंस्?टाग्राम रील तैयार की है। इसे अब तक 10 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। वीडियो में युजी की पत्?नी गोविंदा के गाने पर 'तू मेरा..तू मेरा..हीरो नंबर-1' पर डांस करतीं नजर आ रही हैं।

सीरीज जीती लेकिन ठंड से कांपते नजर आए भारतीय खिलाड़ी, युजवेंद्र चहल को ट्रोलर्स ने बताया अंकल

दक्षिण के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज खत्म होने के तुरंत बाद भारतीय टी20 टीम को आयरलैंड का दौरा करना था, जिसके कारण टीम इंडिया के खिलाड़ियों को न केवल आयरलैंड की पिचों बल्कि ठंडे तापमान के साथ खुद को ढालने के लिए बहुत कम समय मिला। भारत में इन दिनों गर्मी अपने चरम पर है और डबलिन में 12-13 डिग्री के आस-पास तापमान है। हार्दिक पांड्या के नेतृत्व वाली टीम को वहां की परिस्थितियों में अपने आपको जल्द से जल्द ढालना था, ऐसे में खिलाड़ी स्वेटर के साथ-साथ गल्व्स भी पहने हुए

नजर आए। हालांकि युजवेंद्र चहल ठंड के कारण फील्डिंग करते समय बेनी टोपी भी पहने दिखे।

युजवेंद्र चहल को डबलिन के ठिठुरते मौसम में खुद को ढालने में परेशानी हुई। दूसरा मैच खत्म होने के बाद उन्होंने बताया कि ठंड से बचने के लिए उन्होंने तीन स्वेटर पहने हुए हैं। 31 वर्षीय इस दौरान कांप रहे थे। चहल को दूसरे गेम में आराम दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद वह फील्डिंग के लिए मैदान पर कुछ देर के लिए उतरे थे। उमरान मलिक को अपना पहला अंतरराष्ट्रीय विकेट दिलाने में युजवेंद्र चहल ने अहम भूमिका निभाई। लॉर्कन टकर ने बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में युजवेंद्र चहल के हाथों में कैच थमा दिया। फील्डिंग करने आए चहल कैप पहने हुए नजर आए, जिस पर फैंस अपनी प्रतिक्रिया देना से खुद को रोक नहीं सके।

स्टार हॉकी खिलाड़ी बीरेंद्र लाकड़ा पर दोस्त की हत्या का आरोप

टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता और स्टार हॉकी खिलाड़ी बीरेंद्र लाकड़ा बड़ी मुश्किल में घिर गए हैं। वीरेंद्र पर अपने बचपन के दोस्त की हत्या में शामिल होने का आरोप है। यह आरोप उन्हीं के मृत दोस्त आनंद टोप्पो के पिता ने लगाए है। आनंद टोप्पो इस साल फरवरी में ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में रहस्यमय परिस्थितियों में अपने फ्लैट के अंदर मृत पाए गए थे।

पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, मृतक के पिता बंधन टोप्पो ने राज्य पुलिस पर भी लाकड़ा को बचाने का आरोप लगाया क्योंकि बीरेंद्र लाकड़ा डीएसपी के रूप में कार्यरत रहे। उस समय बताया गया था कि आनंद टोप्पो की मौत आत्महत्या से हुई थी। आनंद शादीशुदा थे और मृत्यु से करीब 16 दिन पहले ही शादी के बंधन में बंधे थे।

मृतक आनंद के पिता बंधन ने आरोप लगाया कि वह पिछले चार महीनों से भटक रहे हैं। बंधन ने कहा कि जब उन्हें राज्य की पुलिस से कोई

मदद नहीं मिली तब उन्हें सार्वजनिक तौर पर बात रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। बंधन टोप्पो ने कहा कि उनका परिवार और बीरेंद्र लाकड़ा पड़ोसी थे और आनंद उनके बचपन का दोस्त था।

पीवी सिंधु प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं; साइना नेहवाल पहले राउंड में बाहर

मलेशिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के विमंस सिंगल्स में पीवी सिंधु प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं, वहीं साइना नेहवाल और बी सुमित रेड्डी और अश्विनी पोनप्पा की मिक्स्ड जोड़ी टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। पीवी सिंधु ने थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग को 21-13, 21-17 से हराकर अगले दौर में अपना स्थान पक्का किया। उन्होंने पोर्नवावी से पहला गेम आसानी से 21-13 से जीत लिया। दूसरे गेम में पोर्नपावी ने सिंधु को चुनौती दी। शुरुआत में पोर्नपावी आगे रहीं। उसके बाद सिंधु ने वापसी करते हुए आखिर में इस गेम को भी 21-17 से जीत कर मैच को अपने पक्ष में कर लिया। वहीं साइना नेहवाल ने पहले राउंड में बाहर टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। उन्हें ङ्क की आइरिस वांग ने 21-11, 21-17 से हरा कर टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखाया। मिक्स्ड इवेंट में भी बी सुमित रेड्?डी और अश्विनी पोनप्पा को हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों बी साई प्रणीत और समीर वर्मा को मंगलवार को मलेशिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष सिंगल्स के पहले ही राउंड के कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

रीवेंज टूरिज्म- कोरोना के चलते घर में रहने के बाद अब रिकॉर्ड तोड़ यात्राएं कर रहे भारतीय

कोरोना की वजह से दो साल तक घरों में फंसे रहने के बाद इन गर्मियों में लोग रीवेंज टूरिज्म पर निकल रहे हैं। न सिर्फ देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों, बल्कि अंतरराष्ट्रीय डेस्टिनेशंस पर भी भारतीयों का जमघट लगा हुआ है। पर्यटकों के चलते दिल्ली-श्रीनगर एयर रूट अप्रैल में देश का तीसरा सबसे बिजी रूट बन गया, जो कि अमूमन टॉप-10 में भी नहीं रहता है। वहीं, थाईलैंड में आने वाले पर्यटकों में भी सबसे बड़ी संख्या भारतीयों की है।

विमानन नियामक छ्वत्रष्ट से मिले डेटा के मुताबिक, अप्रैल में 2.74 लाख पैसेंजर्स ने दिल्ली और श्रीनगर के बीच हवाई यात्रा की। यह दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-बेंगलुरू के अलावा किसी भी अन्य रूट से ज्यादा है। इतना ही नहीं, दो और टूरिस्ट डेस्टिनेशन दिल्ली-गोवा और मुंबई-गोवा भी टॉप-10 में एयर रूट्स में शामिल हुए हैं। दिल्ली-श्रीनगर और दिल्ली-गोवा रूट्स ने बेंगलुरू-हैदराबाद और दिल्ली-अहमदाबाद रूट को टॉप-10 से बाहर कर दिया।

श्रीनगर में होम स्टे बुकिंग कोविड के पहले से 4 गुना तक बढ़ी

देश के सबसे बड़े ट्रैवल पोर्टल मेकमाईट्रिप के प्रवक्ता ने कहा कि इस समय दिल्ली से श्रीनगर की सर्चिंग मुंबई-बैंगलुरू जैसे बिजनेस ट्रैफिक वाले रूट से भी ज्यादा हो रही है। देश के सभी प्रमुख शहरों से श्रीनगर की फ्लाइट सर्च होने के अलावा श्रीनगर में होटलों और होम स्टे की बुकिंग में भी काफी बढ़ोतरी देखने को मिली है। श्रीनगर में होम स्टे बुकिंग कोविड के पहले से 4 गुना तक बढ़ गई है। एयर ट्रैवल में सबसे ज्यादा सर्च किए जाने के मामले में गोवा लगातार टॉप डेस्टिनेशन में बना हुआ है।

कश्मीर घाटी में 24 महीनों में रिकॉर्ड 6.05 लाख टूरिस्ट आए

जम्मू-कश्मीर सरकार के डेटा के मुताबिक, कश्मीर घाटी में 2022 के पहले 4 महीनों में रिकॉर्ड 6.05 लाख टूरिस्ट आए। यह बीते साल की इसी अवधि की तुलना में 5 गुना अधिक है।

तेल का उत्पादन करने वाली कंपनियां प्राइवेट रिफाइनरियों को भी बेच सकेंगी तेल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज कैबिनेट की बैठक हुई। कैबिनेट की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर बताया गया ने बताया कि देश की 63 हज़ार प्राइमरी एग्रीकल्चर क्रेडिट सोसाइटीज के कम्प्यूटरीकरण की मंजूरी दे दी गई है। जिसका उद्देश्य PACS की दक्षता बढ़ाना और उनके संचालन में पारदर्शिता लाना है। इस परियोजना में कुल 2516 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। जिसमें भारत सरकार की हिस्सेदारी 1528 करोड़ रुपए की होगी।

तेल कंपनियां प्राइवेट रिफाइनरियों को भी बेच सकेंगी तेल

अनुराग ठाकुर ने बताया कि देश में उत्पादित 99त्न क्रूड सरकारी रिफाइनरी को आवंटित किया जाता है। आज कैबिनेट ने डिरेगुलेशन ऑफ सेल ऑफ डोमेस्टिक प्रोड्यूस क्रूड ऑयल को मंजूरी दी है। ये निर्णय 1 अक्टूबर 2022 से प्रभावी होगा। इससे अब

तेल का उत्पादन करने वाली तेल कंपनियां प्राइवेट रिफाइनरियों को भी अपना तेल बेच सकेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि अभी तक सरकार या सरकार कंपनियों को ही क्रूड आयल बेचने की जो बाध्यता थी वो समाप्त कर दी जाएगी। अब सब तेल उत्पादक कंपनियां अपनी फील्ड के U M आयल को घरेलू बाजार में बेचने के लिए आजाद होंगी।

न्यूज ब्रीफ

शेयर मार्केट:सेंसेक्स 150 पॉइंट गिरकर 53026 पर खुला, निफ्टी 15800 पर

भारतीय शेयर मार्केट हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स आज 150 पॉइंट या 0.28त्न गिरकर 53,026.97 पर और निफ्टी 51 पॉइंट या 0.32त्न की गिरावट के साथ 15,799.10 पर बंद हुआ। सबसे ज्यादा गिरावट मेटल, स्नस्ष्ट्त और प्राइवेट बैंक के शेयर्स में रही। आज के टॉप लूजर्स में ।।रु एक्सिस बैंक, विप्रो, ।।ष्टरु टेक, टाइटन, कोटक बैंक और बजाज फाइनेंस शामिल हैं। सभी सेक्टोरल इंडेक्स में आज गिरावट देखने को मिली। बैंक में 1.11त्न, क्क्र बैंक में 0.92त्न और प्राइवेट बैंक में 1.12त्न की गिरावट देखने को मिली। वहीं स्नस्ष्ट्त और द्बञ्ज में 1त्न तक की गिरावट रही। ऑटो, फाइनेंशियल सर्विस, फार्मा और रियल्टी के शेयर फ्लैट रहे।

हो सकता है चेयरमैन बनाने का ऐलान

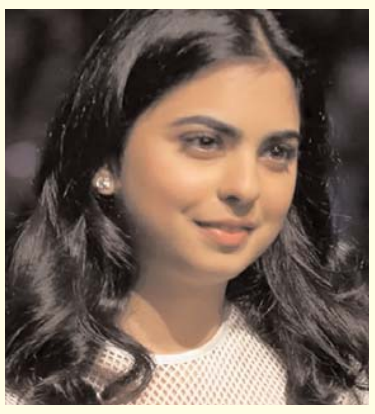

एक दिन पहले मुकेश ने बेटे आकाश को सौंपा था जियोदुनिया के सबसे अमीर बिजनसमैनों में से एक मुकेश अंबानी की बेटी ईशा को रिलायंस रिटेल की कमान सौंपी जा रही है। वह रिटेल बिजनेस की चेयरमैन होंगी। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में ये दावा किया गया है। दो दिन पहले 27 जून को ही जियो की बोर्ड मीटिंग में आकाश अंबानी को जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के बोर्ड ने चेयरमैन नियुक्त किया था। इन नियुक्तियों से साफ है कि मुकेश अंबानी अपने साम्राज्य को अगली पीढ़ी को सौंपने के प्लान पर अब तेजी से काम कर रहे हैं।

आज हो सकती है घोषणा

ब्लूमबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में इस मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के हवाले से लिखा, %ईशा अंबानी के चेयरमैन बनने की घोषणा बुधवार को हो सकती है। ईशा वर्तमान में रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की डायरेक्टर हैं। ईशा ने येल और स्टेनफोर्ड से पढ़ाई की है।

2015 में उन्होंने फैमिली बिजनेस जॉइन किया था। वह जियो प्लेटफॉर्म्स, जियो लिमिटेड के बोर्ड में भी शामिल हैं। उनकी शादी दिसंबर 2018 में कारोबारी अजय पीरामल के बेटे आनंद पीरामल से हुई थी।

GST काउंसिल की 47वीं बैठक:

ऑनलाइन गेमिंग और कसीनो पर टैक्स लगाने का फैसला भी टला

GST काउंसिल की दो दिवसीय मीटिंग 28 जून को समाप्त हुई। मीटिंग में कोई भी बड़ा निर्णय नहीं लिया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीटिंग में की गई चर्चाओं के बारे में जानकारी दी। सीतारमण ने बताया कि इस बैठक में ऑनलाइन गेमिंग, कसीनो और घोड़ों की रेस पर 28त्न त्नस्ञ्ज लगाने पर विचार विमर्श हुआ। लेकिन फिलहाल इस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारण ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि अभी राज्यों के त्नस्ञ्ज मुआवजा बढ़ाने पर कोई फैसला नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि कई राज्य त्नस्ञ्ज मुआवजा जारी रखना चाहते थे।

राज्य के वित्त मंत्रियों के पैनल की तरफ से ऐसा एक प्रस्ताव पेश किया गया था। इसके अलावा GST काउंसिल की मीटिंग से पहले P M के आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन विवेक देबरॉय ने पेट्रोल-डीजल को GST में शामिल करने की संभावना जताई है।

वहीं ओस्टोमी उपकरणों पर त्नस्ञ्ज दर को 12त्न से घटाकर 5त्न करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर त्नस्ञ्ज दरों पर एक स्पष्टीकरण जारी किया जाएगा, जिसके मुताबिक श्वङ्क, चाहे बैटरी से लैस हों या नहीं, उन पर 5त्न की दर से टैक्स लगेगा।

पेट्रोल-डीजल को भी GST में लाने की भी चर्चा

त्नस्ञ्ज काउंसिल की मीटिंग से पहले क्क्रू के आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन विवेक देबरॉय ने पेट्रोल-डीजल को त्नस्ञ्ज में शामिल करने की संभावना जताई है। देबरॉय ने इस बात की वकालत की है कि पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स के त्नस्ञ्ज में शामिल होने के बाद बढ़ती महंगाई पर लगाम लगाना संभव होगा।

हालांकि केंद्र और राज्य सरकारें दोनों ही खजाना खाली होने के डर से पेट्रोल-डीजल और शराब को त्नस्ञ्ज में शामिल करने से डरती हैं। आइए समझतें हैं अगर पेट्रोल त्नस्ञ्ज के दायरे में आता है तो सरकार को प्रति लीटर कितना कम टैक्स मिलेगा।

अभी GST में चार टैक्स स्लैब

त्नस्ञ्ज में 5, 12, 18 और 28त्न के चार स्लैब हैं। हालांकि, गोल्ड और गोल्ड ज्वेलरी पर 3त्न टैक्स लगता है। कुछ अनब्रांडेड और अनपैक्ड प्रोडक्ट ऐसे भी है जिनपर त्नस्ञ्ज नहीं लगता।

कंपनी ने एक बार में ही कर्मचारी को दे दी 286 महीने की सैलरी

चिली की एक कंपनी ने अपने एक कर्मचारी के अकाउंट में गलती से 286 महीने की सैलरी एक बार में ही भेज दी। मजेदार ये है कि कर्मचारी ने पहले तो कंपनी को वादा किया कि वह पैसे लौटा देगा, लेकिन बाद में वह अपने वकील के साथ आया और इस्तीफा देकर चला गया। यह घटना कंसोर्सियो इंडस्ट्रियल डे अलीमेंटोस (ष्ट्रद्बरु) कंपनी की है। इसे चिली की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक गिना जाता है।

43 हजार की बजाय 1.42 करोड़ रुपए मिले

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कर्मचारी की सैलरी 5 लाख पेसो यानी करीब 43 हजार रुपए थी। कंपनी ने मई महीने में गलती से उसके अकाउंट में 16.54 करोड़ पेसो (करीब 1.42 करोड़ रुपए) ट्रांसफर किए थे। जब कंपनी के मैनेजमेंट ने रिकॉर्ड चेक किया, तब उसे इस गलती का पता चला। पैसे नहीं लौटाने के कारण अब कंपनी ने इस मामले में कर्मचारी के खिलाफ कानूनी कदम उठाने का फैसला किया है।

चिली में पैसों का गबन करने का मामला पेनल कोड के अंतर्गत आता है। जिसमें दूसरे को नुकसान पहुंचाने के लिए पैसे की हेराफेरी भी शामिल है।

1 जुलाई से क्क्कक्रस्न और सुकन्या जैसी स्कीम्स पर मिल सकता है ज्यादा ब्याज

रेपो रेट में 90 बेसिस प्वाइंट्स बढ़ाने के बाद देश के ज्यादातर बैंकों ने स्नष्ठ पर मिलने वाले ब्याज में बढ़ोतरी की है। ऐसे में अब पोस्ट ऑफिस स्मॉल सेविंग्स स्कीम जैसे PPF, सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम, सुकन्या समृद्धि योजना में मिलने वाले ब्याज की दरों में इजाफा हो सकता है। पोस्ट ऑफिस की स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स पर 30 जून को नई ब्याज दरों का ऐलान हो सकता है।

कितना बढ़ सकती हैं ब्याज दरें

पर्सनल फाइनेंस एक्सपर्ट और ऑप्टिमा मनी मैनेजर्स के संस्थापक व ष्टश्वह्र पंकज मठपाल स्माल सेविंग स्कीम्स की ब्याज दरें सरकारी बांड के यील्ड से लिंक रहती हैं। इन स्कीम की ब्याज दरें समान मैच्योरिटी वाले सरकारी बांड के यील्ड से 0.25-1.00त्न ज्यादा रहती हैं।

अभी सरकारी बांड यील्ड की ब्याज दरें 7.5त्न के करीब हैं। ऐसे में स्माल सेविंग स्कीम्स की ब्याज दरों में 0.40-0.50त्न तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

हर तिमाही में होती है ब्याज दरों की समीक्षा

स्मॉल सेविंग स्कीम की ब्याज दरों की हर तिमाही समीक्षा होती है। इन योजनाओं की ब्याज दरें तय करने का फॉर्मूला 2016 श्यामला गोपीनाथ समिति ने दिया था। समिति ने सुझाव दिया था कि इन स्कीम की ब्याज दरें समान मैच्योरिटी वाले सरकारी बांड के यील्ड से 0.25-1.00त्न ज्यादा होनी चाहिए।

अभी सुकन्या पर मिल रहा सबसे ज्यादा 7.6% ब्याज

स्मॉल सेविंग स्कीम्स में अभी सबसे ज्यादा ब्याज सुकन्या समृद्धि योजना पर मिल रहा है। इसमें निवेश करने पर 7.60त्न मिलेगा। पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी क्क्कस्न पर 7.1त्न, नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (हस्ष्ट) पर 6.8त्न और किसान विकास पत्र में निवेश करने पर 6.9त्न का ब्याज दिया जा रहा है। वहीं सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम में 7.4त्न का ब्याज मिल रहा है।

1 अप्रैल 2020 से ब्याज दरों में नहीं हुआ कोई बदलाव

सरकार ने पिछले साल 1 अप्रैल 2020 को ही छोटी बचत योजनाओं पर मिलने वाले ब्याज में कटौती की थी। तब इनकी ब्याज दरों में 1.40त्न तक की कटौती की गई थी।

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक
| आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | आईटीडीसीन्यूज़.कॉम | 98 26 22 00 22
अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.
आपकी बात आपके साथ

बच्चे के नाम पर PPF अकाउंट खुलवाकर उसकी पढ़ाई के लिए तैयार कर सकते हैं बड़ा फंड, जानें इससे जुड़े नियम

पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (PPF) हमारे देश में एक लोकप्रिय स्कीम है। इस स्कीम के तहत फिलहाल 7.1त्न सालाना ब्याज दिया जा रहा है। आप अपने बच्चे के नाम पर क्क्कस्न अकाउंट खोलकर उसकी पढ़ाई या शादी के लिए बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। लेकिन इसके कुछ खास नियम हैं। हम आपको उन नियमों के बारे में बता रहे हैं।

एक व्यक्ति एक ही बच्चे के नाम पर खोल सकता है PPF अकाउंट

एक व्यक्ति अपने नाम पर केवल एक ही क्क्कस्न अकाउंट खुलवा सकता है। हालांकि व्यक्ति अपने क्क्कस्न अकाउंट के अलावा

नाबालिग बच्चे के नाम पर एक अन्य PPF खाता खुलवा सकता है। लेकिन यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि एक अभिभावक एक ही बच्चे के नाम पर PPF खाता खोल सकता है। नियमों के मुताबिक, अगर किसी के दो बच्चे हैं तो एक नाबालिग बच्चे का क्क्कस्न अकाउंट मां और दूसरे का पिता खुलवा सकता है। मां-पिता दोनों एक ही बच्चे के नाम पर माइनर PPF अकाउंट नहीं खुलवा सकते।

कितना पैसा कर सकते हैं जमा?

नाबालिग के PPF अकाउंट के लिए भी एक वित्त वर्ष में कम से कम 500 और अधिकतम 1.5 लाख रुपए की डिपॉजिट लिमिट लागू है। लेकिन अगर मां-पिता का खुद का PPF अकाउंट भी है तो उनके खुद के अकाउंट और नाबालिग के क्क्कस्न अकाउंट दोनों को मिलाकर अधिकतम डिपॉजिट लिमिट 1.5 लाख रुपए सालाना ही रहेगी।

बच्चे के 18 साल का होने पर बच्चा हैंडल कर सकता है अपना अकाउंट

नाबालिग बच्चे के 18 साल का हो जाने के बाद अकाउंट का स्टेटस माइनर से मेजर करने के लिए ऐप्लीकेशन देनी होगी। इसके बाद बालिग हो चुका बच्चा अपना अकाउंट खुद से हैंडल कर सकता है। विशेष मामलों में अकाउंट के 5 साल पूरे होने के बाद इसे बंद कराया जा सकता है। जैसे कि बच्चे की उच्च शिक्षा या किसी बीमारी के इलाज आदि के लिए पैसों की जरूरत होने पर।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र। आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)